वर्षः 7- अंकः 187, मुंबई, बुधवार, 20 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

'सुपरकॉप' प्रदीप शर्मा की धमाकेदार वापसी

...देखते ही डर गया डॉन

दाऊद इब्राहिम का भाई इकबाल कासकर गिरफ्तार

मुंबई। दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा ने सोमवार देर रात जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया। कासकर मुंबई के एक बिल्डर को धमकाकर चार फ्लैट ले चुका था। अब वह और फ्लैट की मांग कर रहा था। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दाऊद के नाम पर कर रहा था वसूली

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इकबाल अपने भाई दाऊद इब्राहिम के नाम पर हफ्ता वसूली का धंधा अभी भी चला रहा है। पुलिस का मानना है कि इकबाल के खिलाफ मुंबई से सटे ठाणे, उल्हासनगर और डोम्बिवली के बिल्डरों से जबरन वसूली की खबरें आ रही थीं। कुछ दिनों पहले एक बिल्डर ने इकबाल के खिलाफ ठाणे पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह से शिकायत की थी, जिसके बाद एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने जांच कर कार्रवाई की। दावा है की पुलिस के पास इकबाल कासकर के खिलाफ कई सबूत हैं, जिनमें एक बिल्डर को फोन पर धमकाते हुए ऑडियो भी हाथ लगा है।

मुंबई में भारी बारिश

अलर्ट जारी

मुंबई। मुंबई के कई इलाकों में मंगलवार दोपहर बाद भारी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने की भी खबरें हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की मुंबई इकाई ने कि पूरे दिन बारिश होने की संभावना जताई है। बारिश को लेकर चेतावनी भी जारी की गई है। दोपहर एक बजे के बाद कोलाबा, परेल, दादर, खार और सांताक्रुज में भारी बारिश दर्ज की गई। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

डिब्बेवालों के संगठन को उसके ही कर्मचारी ने 25 लाख का लगाया चूना

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

फिल्म 'बागी 2' के लिए टाइगर श्रॉफ ने मुंडवाया अपना सिर!

(समाचार पृष्ठ 12 पर)

नवरात्री में प्रसाद के लिए

मलाई पेड़ा	₹ ~~600~~/-	520/-
काजू कतरी	₹ ~~900~~/-	780/-
खोपरापाक	₹ ~~540~~/-	440/-
बूंदी (शुध्द घी)	₹ ~~360~~/-	260/-

21.09 to 29.09.2017

शुध्द घी की जलेबी ₹480/-

MM MITHAIWALA

Malad (W) Tel. : 288 99 501

www.mmmithaiwala.com

सपा में फिर बढ़ सकती है कलह

अपनी अलग पार्टी बनाएंगे मुलायम सिंह!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले जब मुलायम और अखिलेश के बीच खटपट हुई तब से ये सवाल कई बार उठ चुका है। चुनाव में बीजेपी के हाथों चारों खाने चित होने के बाद इस सवाल पर कुछ समय के लिए विराम लग गया था। लेकिन अब एक बार फिर से समाजवादी पार्टी के भीतर सरगर्मी बढ़ गयी है और ये कहा जा रहा है कि नवरात्रों के दौरान मुलायम सिंह अपने भाई शिवपाल यादव के साथ नई पार्टी या नए मोर्चा का ऐलान कर सकते हैं। दो दिन पहले शिवपाल यादव ने कनौज्ज में कहा था कि मुलायम सिंह यादव का अपमान अब और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में भाजपा से अलग होने से शिवसेना को हो सकता है नुकसान

मुंबई। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी को महाराष्ट्र की सत्ता से अलग करना चाहते हैं। लेकिन, उनकी पार्टी के करीब दो दर्जन विधायक सरकार से अलग होने के पक्ष में नहीं हैं। यही कारण है कि शिवसेना फड़नवीस सरकार से अलग होने का निर्णय नहीं कर पा रही है।

सोमवार को शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बांद्रा स्थित निवास 'मातोश्री' पर पार्टी विधायकों, सांसदों एवं सभी प्रमुख नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई। गोपनीयता बनाए रखने के लिए नेताओं के मोबाइल और लैपटॉप बाहर रखवा लिए गए थे। बैठक में केंद्र और राज्य की भाजपानीत सरकारों के प्रति नाराजगी जाहिर की गई। चर्चा हुई कि निरंतर बढ़ती महंगाई के कारण जनता परेशान है। विकास के काम नहीं हो रहे हैं। इसका नुकसान भविष्य में शिवसेना को न उठाना पड़े, इसलिए उसे खुद को सरकार से अलग कर लेना चाहिए।

शिवसेना के मंत्रियों का कहना था कि उन्हें सरकार में रहते हुए भी कोई अधिकार प्राप्त नहीं है। वह अपनी मर्जी से कोई निर्णय नहीं कर पाते। सूत्रों के अनुसार, उद्धव ठाकरे ने कहा कि यदि सभी विधायक एकमत हों तो वह सरकार से अलग होने का निर्णय तुरंत कर सकते हैं। ज्यादातर विधायकों ने सत्ता से अलग होने का निर्णय

उद्धव ठाकरे पर छोड़ा और कहा कि जो भी निर्णय पार्टी अध्यक्ष लेंगे वह उन्हें मंजूर होगा। लेकिन, करीब दो दर्जन विधायक सत्ता से दूर होने का मन नहीं बना पा रहे हैं। उनका मानना है कि यदि आज चुनाव हो जाएं तो उनके पास चुनाव लड़ने के भी पैसे नहीं हैं। ऐसी स्थिति में सरकार से अलग होना नुकसानदेह हो सकता है। संभवतः विधायकों की इसी खीझ के कारण बैठक में उद्धव ठाकरे के सामने ही विधायकों के दो गुट आपस में भिड़ते नजर आए। शिवसेना के कुछ विधायकों ने तो अपने मंत्रियों पर ही विधायकों से खराब बर्ताव करने का आरोप लगाया। रायगढ़ के एक विधायक द्वारा लगाए गए ऐसे आरोप पर मंत्री रामदास कदम को कहना पड़ा कि सभी मंत्रियों को एक ही पिंजरे में मत रखो। सीधे नाम लेकर आरोप लगाओ।

फड़नवीस और मोदी सरकार पर बरसे राउत

बैठक के बाद पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने महाराष्ट्र की देवेंद्र फड़नवीस सरकार और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि पार्टी सरकार में बने रहने पर फैसला करने के बेहद करीब है। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र और देश के लोगों में इन सरकारों के प्रति बेहद नाराजगी है। सरकार की अकुशलता की वजह से लोग कई समस्याओं से दो-चार हो रहे हैं। लिहाजा, शिवसेना इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती।

अच्छे दिन' की रोज की जा रही हत्या

पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' और 'दोपहर का सामना' के संपादकीय में भाजपा की कड़ी आलोचना की है। पार्टी ने बढ़ती मुद्रास्फीति और पेट्रोलियम पदार्थो की कीमतों का जिक्र करते हुए कहा कि 'अच्छे दिन' की रोज हत्या की जा रही है।

कचरा न उठाने के फतवे का सर्वपक्षीय पार्टियों ने किया विरोध

मुंबई। मनपा आयुक्त अजोय मेहता ने दो अक्टूबर से सोसायटियो का कचरा न उठाने का निर्णय लिया है। आयुक्त ने इस तरह का परिपत्रक सभी सोसायटियो को दिया है। .इतना ही झोपड़ पत्तियों से निकलने वाले कचरे को भी उसी स्थान पर निपटारा करने का निर्देश दिया है। आयुक्त के इस निर्णय का मनपा सदन में सभी पार्टियों के सदस्यों ने विरोध किया। आयुक्त के निर्णय को हिटलर शाही ठरहराते हुए कचरा न उठाने पर लोगिओ का कचरा मनपा के वार्ड कार्यालयो पर फेकने सहित मनपा आयुक्त के बंगले पर फेकने की चेतावनी सदस्यों ने की। बता दे की मनपा आयुक्त अजोय मेहता ने १०० किलो कचरा पैदा करने वाली सोसायटियो का कचरा दो अक्टूबर से नहीं उठाने का निर्देश दिया है। इसी तरह झोपड़ पत्तियों के कचरे को भी झोपड़ पतियों के पास निपटारा करने का निर्देश दिया है। मनपा आयुक्त के इस निर्णय पर विरोध जताते हुए मनपा विरोधी पक्ष नेता रविराजा ने आयुक्त के निर्णय को हिटलर शाही बताया और आयुक्त को निर्देश दिया की दिए गए फरमान को आयुक्त वापस ले नहीं तो सोसायटियो से निकलने वाला कचरा वार्ड कार्यलाय पर फेंका जाएगा।राविराजा ने आरोप लगाया कि आयुक्त महापौर से लेकर पार्टी नेताओ को ठेंगा दिखा रहे है जिसे बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सोसायटियो से कचरा उठाने और उसका निपटारा करने के लिए पैसा लेती है।कचरा का डिब्बा लोगो को नहीं दे सकती मनपा और कचरा न उठाने का तुगलकी फरमान निकालती है।रविराजा के विरोध का भाजपा नेता मनोज कोटक ने भी समर्थन किया उन्होंने आरोप लगाया कि मुलुंड डम्पिंग ग्राउण्ड को बंद करने का कोर्ट का आदेश होने के बावजूद अभी तक फटकार खा रही है इसी तरह पर्यवारण विभाग की फटकार खुद खा रही है।अब अपनी नाकामी छिपाने के लिए लोगो का कचरा न उठाने का तुगलकी फरमान लाद रही है।भाजपा इसे बर्दास्त नहीं करेगी।उन्होंने आरोप लगाया कि लोगो को कहा जाता है कि सूखा कचरा और गीला कचरा अलग अलग कर दे और मनपा उसे उठाकर देवनार डम्पिंग ग्राउण्ड पर फेंका जा रहा है फिर क्या फायदा कचरा अलग अलग रखने का।कोटक ने आरोप लगाया कि मनपा आयुक्त सोसायटियो को नोटीस भेजकर लोगो में भय पैदा कर रहे है।इसी तरह सपा राईश शेख और रांकपा की राखी जाधव ने भी रविराजा के उठाये मुद्दे का समर्थन किया और आयुक्त को तत्काल फरमान वापस लेने की बात कही।मनपा सदन नेता यशवंत जाधव ने भी विरोधी पक्ष नेता के उठाये सवाल को सही ठहराते हुए कहा कि मनपा आयुक्त चुनकर आये नागरसेवको का अपमान कर रहे है इतना ही नहीं मुंबई के प्रथम नागरिक का भी अपमान कर रहे है।उन्होंने कहा कि बरिश के कारण मानसूनी बिमारी फैल रही है आयुक्त ने कचरा न उठाने का निर्णय लेकर पूरी मुंबई को बीमार कर शिवसेना पर आरोपो के घेरों में तो नहीं खड़ा करना चाह रहे है इस तरह का सवाल खड़ा करते हुए कहा कि आयुक्त ने कचरा न उठाने का परिपत्रक वापस नहीं लिया तो शिवसैनिक कचरा आयुक्त के घर पर फेकेंगे।आयुक्त द्वारा महापौर का बार बार किए जा रहे अपमान का बदला लेने की बात कहते हुए निषेध किया।मनपा आयुक्त से परिपत्रक वापस लेने की मांग करते हुए सभी पार्टी के सदस्यों ने आयुक्त के निर्णय का विरोध करते हुए सदन का काम काज का बहिष्कार किया।

कांदिवली में 78 स्टॉल तोड़े गए

मुंबई। मनपा आयुक्त अजोय मेहता के निर्देश पर अवैध निमार्णो के खिलाफ शुरू की गयी मुहिम के तहर सोमवार को कांदिवली के 120 फुट रोड के फुट पाथ पर बने 78 स्टॉल तोड़े गए। जिसमें से 38 स्टॉल पर खाद्य पदार्थ बेचा जा रहा था। यह जानकारी आर/दक्षिण विभाग के सहायक आयुक्त साहेबराव गायकवाड़ ने दी है। परिमंडल -7 के मनपा उपायुक्त अशोक खैरे के निर्देश पर कांदिवली इलाके में अवैध निमार्णो के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को कांदिवली पूर्व के ठाकुर विलेज,समता नगर आदि क्षेत्र में कार्रवाई की गयी। 78 स्टॉलों में से 40 स्टॉल लोहे के थे जबकि 38 स्टॉल पर खाद्य पदार्थों की बिक्री की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान 45 झोपड़े भी तोड़े गए जो प्लास्टिक से बनाए गए थे। सहायक आयुक्त गायकवाड़ ने बताया कि तोड़क कार्रवाई के दौरान पुलिस बदोबस्त किया गया था। मनपा के 25 कर्मियों ने 1जेसीबी एवं अतिक्रमण विभाग के दो वाहनों के सहयोग से स्टॉलों को तोड़ा। मनपा की तरफ से कहा गया है कि अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

मुंबई में नाले में मिला 2 मासूम बच्चों का शव

मुंबई। मुंबई के शिवाजी नगर में 2 छोटे बच्चों का शव नाले में बरामद हुआ। शीवाजी नगर पुलिस हादसे से मौत का मामला दर्ज कर जांच कर रही है। मृतक बच्चों के नाम मोहम्मद शमीम अख्तर शाह (उम्र 7 साल) और मोहम्मद नसीम अख्तर हुसेन शाह (उम्र 5 साल) थी। दोनों ही सगे भाई थे। पुलिस के मुताबिक दोनों बच्चे शाम 5 बजे उनके घर के बगल में बिस्मिल्ला मस्जिद के पास नाले में बेहोश पड़े मिले। दोनों को निकालकर तुरंत घाटकोपर में राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

नौकरी दिलाने के नाम पर 1000 लोगों को ठगा

मुंबई। अंधेरी पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसने नौकरी दिलाने के नाम पर देश भर में 1,000 से ज्यादा लोगों को ठगा। पुलिस का अनुमान है कि इस गिरोह ने मुंबई में ही करीब पांच करोड़ रुपये की ठगी की होगी। डीसीपी नवीन चंद्र रेड्डी ने बताया कि इस मामले में कुल चार लोगों- अमित पोटाले, सरफराज मोहम्मद, अमरदीप चव्हाण और अब्दुल सलाम गुलजार को गिरफ्तार किया गया है। ये अपना नाम क्रमशः नवीन जोशी, हरीश राठौर, आसिफ और राज बताते थे। आरोपियों ने 2014 में अंधेरी में इस गोरखधंधे से 180 लोगों से 1.16 करोड़ रुपये की ठगी की थी। अगले साल कांदिवली में इन्होंने 500 लोगों को ठगा। कुछ महीने बाद नवी मुंबई में भी लगभग 300 लोगों के साथ धोखाधड़ी की। गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में इन्होंने बताया कि दिल्ली और यूपी के देवरिया शहर में भी वे जगह-जगह दफ्तर खोलकर सैकड़ों लोगों से मोटी रकम ले चुके हैं। दो दिन पहले अंधेरी पुलिस को इनके गोरेगांव में होने का सुराग मिला था। पुलिस ने जाल बिछाकर इन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से करीब एक दर्जन कंप्यूटर और नकदी भी जब्त की है। इनमें से तीन यूपी के और अमरदीप दिल्ली का है। उसने इंजिनियरिंग में डिप्लोमा किया है। अंग्रेजी और हिंदी पर अच्छी पकड़ की बदौलत वही लोगों के कॉल्स का जवाब देता था और उन्हें मीठी-मीठी बातों से फंसा लेता था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

डिब्बेवालों के संगठन को उसके ही कर्मचारी ने 25 लाख का लगाया चूना

मुंबई। दुनियाभर में अपने मैनेजमेंट का लोहा मनवा चुके डिब्बे वालों के संगठन को उसके ही कर्मचारी ने अपने भाई के साथ मिलकर चूना लगा दिया। आरोप है कि डिब्बेवालों से करीब 25 लाख की ठगी की गई है। शिकायत मिलने के बाद शिवाजी नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी। मामले में मयूर कांती और ऋषभ कांती नामक दो लोगों पर ठगी का आरोप है। दरअसल, डिब्बेवालों को दुनियाभर से आर्थिक मदद मिलती है। आरोपियों ने इसी का फायदा उठाकर फर्जी कंपनी बनाई और डिब्बों वालों के लिए मिली मदद अपने खाते में जमा कर ली। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मुंबई के कामकाजी लोगों का डिब्बा 120 सालों से समय पर और व्यवस्थित पहुंचाने के लिए दुनियाभर में मशहूर डिब्बेबालों का दादर इलाके में ऑफिस है। यहां मयूर पिछले दो सालों से वालंटियर के तौर पर काम कर रहा था। मयूर ने डिब्बे वालों के लिए मिलने वाली आर्थिक मदद अपने भाई की कंपनी में डालनी शुरू कर दी। संगठन से जुड़े संभाजी मेदगे ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि पिछले कुछ महीनों में मिले 24 लाख 39 हजार रुपए ऋषभ के खाते में जमा करा दिए गए। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

2008 मालेगांव ब्लास्ट

दो और आरोपियों को एनआईए कोर्ट से मिली जमानत

मुंबई। 2008 मालेगांव ब्लास्ट के दो अन्य आरोपियों को मुंबई के राष्ट्रीय जांच सुरक्षा (एनआईए) के कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने मंगलवार को सुधाकर चतुवेर्दी और सुधाकर द्विवेदी को जमानत दे दी है। इससे पहले मालेगांव ब्लास्ट के आरोप में लगभग 9 साल जेल में गुजारने के बाद लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित आज रिहा हुए थे। जेल से रिहा होने के बाद सेना की गाड़ी में उन्हें ले जाया गया।

गाड़ी के आगे पीछे सेना का काफिला चल रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित को मामले में बेल पर रिहा करने का फैसला सुनाया था। हालांकि समय पर सभी दस्तावेज जमा न हो पाने के कारण उनकी जमानत की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी। वहीं जब उनसे यह पुछा गया कि उन्होंने जेल में जो 9 साल गुजारे, इसके लिए वह किसे दोषी मानते हैं। इस सवाल के जवाब में पुरोहित ने कहा कि मैं किसी को दोषी नहीं मानता ये मेरी किस्मत थी। वहीं कर्नल को जेल से लेने आर्मी की गाड़ी पहुंची है। बता दें कि लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित 2008 में हुए मालेगांव बम धमाके के आरोपी थे। बम धमाके में उस समय छह लोग मारे गए थे। पुरोहित ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया है।

पुरोहित ने एटीएस पर भी उन्हें फंसाने का आरोप लगाया है। 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव में हुए ब्लास्ट में चार लोगों की मौत हो गई थी जबकि 79 घायल हो गए थे। शुरूआत में इस मामले में एक मुस्लिम युवक को गिरफ्तार किया गया था लेकिन महाराष्ट्र एटीएस ने पाया कि ब्लास्ट के पीछे कथित तौर पर कुछ 'हिन्दुवादी संगठनों' का हाथ है। इस केस के बाद ही सबसे पहले हिंदू आतंकवाद शब्द का इस्तेमाल हुआ था।

आरोप साबित होने पर हो सकती है 2 साल की सजा

मुंबई। दादर पुलिस के तहत 29 अगस्त को हुई मूसलाधार बारिश के दौरान एक खुले मैनहोल में गिर जाने के कारण जाने-माने डॉक्टर दीपक अमरापुरकर की हुई मौत मामले में कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। अभी तक दादर पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस की मानें तो फिलहाल चारों को कोर्ट से जमानत मिल गई है लेकिन आरोप सिद्ध हो जाता है तो कम से कम दो साल की सजा हो सकती है।

जोन-5 के डीसीपी राजीव जैन ने बताया कि मामले की जांच चल रही हैं। अभी चार लोग गिरफ्तार हुए हैं, जबकि कुछ और लोगों के भी गिरफ्तार होने की संभावना हैं। पुलिस की गिरफ्त में अभी तक सिद्धेश भेलसेकर, राकेश कदम, नीलेश कदम और दिनेश पवार को गिरफ्तार किया है। सभी पड़ोसी हैं। इनमें से एक बैंजो वादक हैं, जबकि अन्य छोटे-मोटे काम करते हैं। सभी दादर स्थित पनेल चॉल में रहते थे। जांच के दौरान आरोपियों ने बताया कि बरसात होने की वजह से इनके घरों में पानी भर जाया करता था, जिसकी निकासी के लिए इन्होंने मैनहोल को खोल दिया था। 29 अगस्त को डॉक्टर अमरापुरकर एलफिंस्टन रोड स्टेशन के निकट पानी में चलने के दौरान इसी खुले मैनहोल में गिर गए थे, जिसके दो दिन बाद वर्ली स्थित एक नाले से उनका शव मिला। चारों आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 304 (ए) यानी लापरवाही के चलते मौत के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुंबई में आयोजित हुआ पुलिस कमांडो चैंपियनशिप

मुंबई। मुंबई में आयोजित हुआ पुलिस कमांडो चैंपियनशिप महाराष्ट्र राज्य पुलिस द्वारा आयोजित किया गया कमांडो कॉम्पिटिशन के चैंपियन का आज ट्रॉफी के साथ सम्मान किया गया। महाराष्ट्र राज्य पुलिस द्वारा आयोजित किए गए कमांडो कॉम्पिटिशन के चैंपियन का आज ट्रॉफी के साथ सम्मान किया गया। महाराष्ट्र पुलिस अपनी विभिन्न टीमों में प्रतियोगिता की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है ताकि संकट की स्थिति में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जा सके। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आतंकी हमलों से निपटने के लिए बनाई गई फोर्स ओने और क्विक रिस्पांस टीम के बीच भी कॉम्पिटिशन आयोजित किया गया। इस कॉम्पिटिशन का उद्देश्य था कि इन टीमों की क्षमता और हुनर का परीक्षण किया जाए और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले इसी तरह की कॉम्पिटिशन्स के लिए इन टीमों को तैयार किया जाए। इस प्रतियोगिता में 5 फोर्स वन और 17 क्विक रिस्पांस टीम ने भाग लिया जिसमें कुल 126 प्रतियोगी थे। अपने बल और हुनर का सही प्रयोग कर इस प्रतियोगिता की जनरल चैंपियनशिप और रनर अप की ट्रॉफी फोर्स वन की टीम ने जीता जबकि क्यूआरटी की टीम ने क्यूआरटी हिट की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस प्रतियोगिता में प्रतियोगियों की शारीरिक, फायरिंग और अभियान कौशल की जांच की गई। 2008 में मुम्बई में हुए आतंकी हमलों के बाद फोर्स वन क्विक रिस्पांस टीम की स्थापना की गई ताकि भविष्य में होने वाले आतंकी आतंक से लोगों को बचाया जा सके। यह दोनों टीमें विशेष आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए प्रशिक्षित की गई हैं।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।

(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)

(9619102478)

अंबेडकर स्मारक का पता नहीं, खर्च 166 करोड़ रुपये बढ़ा

मुंबई। भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अंबडेकर स्मारक का भूमिपूजन हुए 23 महीने का वक्त गुजर गया है लेकिन उसकी ईंट एक भी नहीं रखी गई। इसके बाद भी स्मारक के लागत खर्च में 166 करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। सूचना के अधिकार के तहत लागत बढ़ने की खबर सामने आई है। बिहार चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्टूबर 2015 को इंदू मिल परिसर में भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक बनाने की आधारशिला रखी थी। उस वक्त स्मारक की लागत 425 करोड़ रुपये थी। इंदू मिल स्मारक 48,414.83 वर्ग मीटर बनाया जाना है। उस जमीन को एमएमआरडीए ने सरकार से 25 मार्च 2017 लिया। स्मारक के निर्माण के लिए 14 अप्रैल 2017 को रचना व निर्माण करने के तत्व पर टेंडर मंगवाया गया। टेंडर की कार्रवाई पूरी होने के बाद स्मारक का काम शुरू होगा। अब उसी स्मारक के बनाने का खर्च करीब 591 करोड़ रुपये आ रहा है। इस काम के लिए सरकार ने आर्किटेक्ट मेसर्स शशी प्रभु ऐंड असोसिएट्स को नियुक्ति किया हैं। इसके लिए अब तक उन्हें 3.44 करोड़ रुपये दिए गए हैं। स्मारक के संबंध में आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) से जानकारी मांगी थी। गलगली बताते हैं स्मारक की आधारशिला जब प्रधानमंत्री मोदी ने रखी था तब इसका निर्माण खर्च 425 करोड़ रुपये था। अब उन्हें बताया गया कि स्मारक का अनुमानित खर्च 591 करोड़ रुपये है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

शरणार्थियों का सवाल

म्यांमार से पलायन करके भारत आए रोहिंग्या मुसलमानों के बारे में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में पेश हलफनामे में वही कहा जो एक तरह से पहले से ज्ञात था। म्यांमार में रोहिंग्या मुसलमानों के पलायन की खबरों के बीच अगर केंद्र सरकार की ओर से यह नहीं कहा गया होता कि सरकार उन्हें वापस भेजेगी तो शायद सुप्रीम कोर्ट में इस आशय की जनहित याचिका भी नहीं पहुंचती कि इन शरणार्थियों को निकालने से रोका जाए। पता नहीं सुप्रीम कोर्ट रोहिंग्या मुसलमानों के बारे में किस नतीजे पर पहुंचेगा, लेकिन यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या अवैध रूप से भारत आने वालों को भी भारतीय नागरिकों जैसे अधिकार प्राप्त हो गए हैं? आखिर वे किस अधिकार से भारत में बने रहने की मांग कर रहे हैं? इन सवालों के बीच इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि रोहिंग्या मुसलमानों का मामला देश की सुरक्षा का सवाल होने के साथ ही एक मानवीय मसला भी है। सरकार उन्हें जबरन नहीं निकाल सकती। मौजूदा माहौल में तो यह और भी संभव नहीं, क्योंकि कोई भी देश उन्हें लेने के लिए तैयार नहीं। शायद रोहिंग्या मुसलमानों को जबरन बाहर करने का सरकार का इरादा भी नहीं, लेकिन उसके लिए यह स्पष्ट करना भी आवश्यक था कि वह उनका स्वागत करने के लिए तैयार नहीं। यह सही है कि भारत की पहचान एक ऐसे देश की है जिसने हर किसी को शरण दी और बिना भेदभाव स्वीकार किया, लेकिन इसका यह मतलब नहीं हो सकता कि वह खुद को धर्मशाला में तब्दील कर ले और दुनिया में जो भी कहीं प्रताड़ित या फिर परेशान हो उसे भारत आने की सुविधा दे दी जाए। इस पर भिन्न-भिन्न राय हो सकती है कि रोहिंग्या मुसलमान देश की सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने के लिए कितना बड़ा खतरा हैं, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि उनके बीच अतिवादी तत्व सक्रिय हो सकते हैं। निःसंदेह सभी रोहिंग्या मुसलमानों को अतिवादी तत्वों की जमात के तौर पर नहीं देखा जा सकता, लेकिन इसका भी कोई मतलब नहीं कि उन्हें पीड़ितों के बजाय मुसलमानों के तौर पर देखा जाए। कुछ लोग ठीक यही कर रहे हैं। वे रोहिंग्या मुसलमानों को भारत में शरण देने के लिए धरना-प्रदर्शन करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि जिस जम्मू-कश्मीर में देश के दूसरे हिस्से के नागरिकों के लिए बसना मुश्किल है वहां उन्हें बने रहने देने की मांग बढ़-चढ़कर हो रही है। जो लोग ऐसी मांग कर रहे हैं वे वही हैं जो गुलाम कश्मीर से आए शरणार्थियों को राहत देने पर आसमान सिर पर उठा लेते रहे हैं। कम से कम ऐसे तत्व यह बिलकुल नहीं तय कर सकते कि भारत सरकार गैर कानूनी तौर पर देश में घुस आए लोगों के प्रति क्या नीति अपनाए? रोहिंग्या मुसलमानों के बारे में सुप्रीम कोर्ट में पेश हलफनामा में सरकार ने यह माना है कि सुनियोजित तरीके से उनकी घुसपैठ कराई गई। इसका मतलब है कि सीमाओं की चौकसी सही तरह नहीं हो रही है। समझना कठिन है कि जब रोहिंग्या शरणार्थी म्यांमार अथवा बांग्लादेश के रास्ते देश में प्रवेश कर जम्मू, हरियाणा, हैदराबाद आदि जगह बस रहे थे तब सुरक्षा तंत्र कहां था।

कृषि संकट का समाधान नहीं कर्जमाफी

उत्तर प्रदेश में किसानों की कर्ज माफी के बाद दूसरे राज्यों में भी यह सिलसिला शुरू हो गया। पंजाब, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र आदि के बाद राजस्थान सरकार भी किसानों के लिए कर्ज माफी की घोषणा करने को बाध्य हुई। अतीत में भी कई बार ऐसा हुआ है। हालांकि यह बात अलग है कि इससे किसानों की हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ। कर्ज माफी से अनैतिकता को भी बढ़ावा मिलता है, क्योंकि औसत किसान यह सोचना शुरू कर देते हैं वे कर्ज चुकाए बिना ही उससे छुटकारा पा सकते हैं। इससे ऋण संस्कृति बुरी तरह प्रभावित होती है और कर्जदाताओं के बहीखाते भी बिगड़ जाते हैं। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकारों के खजाने की हालत भी खस्ता हो जाती है। कुछ समय पहले हुए एक अध्ययन के अनुसार कर्नाटक में प्राथमिक कृषि कर्ज सोसायटी यानी पीएसीएस की ऋण वसूली की दर 1987-88 में 74.9 प्रतिशत थी जो 1990 की कर्ज माफी के बाद 1991-92 में घटकर 41.1 प्रतिशत रह गई। ऋणदाता संस्थान किसानों को कर्ज देने से हिचकते रहे और आखिर में किसानों को कर्ज के लिए साहूकारों की देहरी पर गुहार लगानी पड़ी।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनकी सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में किसानों की आमदनी को दोगुना करना है। कई अध्ययनों के अनुसार भारत में गरीबी उन्मूलन के लिए कृषि क्षेत्र में 2.3 गुना वृद्धि की दरकार होगी। वर्ष 1997 से 2014 के बीच भारत में कृषि क्षेत्र की औसत वृद्धि दर महज तीन प्रतिशत रही जो कि समग्र जीडीपी वृद्धि दर की तुलना में महज आधी ही है। ऐसी कमजोर वृद्धि मुश्किलों को दूर करने के लिए नाकाफी हैं। दरअसल इसी वजह से शहरी और ग्रामीण भारत के बीच विषमता की खाई और चौड़ी होती जा रही है। किसानों पर कर्ज का बोझ मर्ज का एक लक्षण मात्र है और इसकी असल जड़ कुछ और है। किसानों की दुर्दशा के कई बुनियादी कारण हैं जिनमें सिकुड़ती जोत का आकार, मिट्टी की घटती उर्वर क्षमता, गिरता जलस्तर, खेती की लागत में इजाफा। इसके अलावा कमजोर उत्पादकता और इन सबसे ऊपर मानसून की अनिश्चितता भी एक बड़ी समस्या है। ऐसे में कर्ज माफी महज एक लक्षण का उपचार है और इससे रोग जड़ से नहीं मिट पाएगा।

लोकप्रियता की चाह को लेकर नेताओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का ही नतीजा है कि सरकारें किसानों की कर्ज माफी के लिए मजबूर होती हैं और किसानों की भलाई के लिए ऐसे कदम उठाने की दिशा में गंभीरता से पहल नहीं करतीं जिनसे वास्तव में किसानों का भला हो सके। कर्ज माफी का अर्थशास्त्र यही कहता है कि तत्कालिक स्तर पर कोई वैकल्पिक योजना बनाई जानी चाहिए। इस साल सभी राज्यों द्वारा प्रस्तावित कर्ज माफी के आंकड़ों को जोड़ा जाए तो यह तकरीबन तीन लाख करोड़ रुपये बैठता है। यह प्रस्तावित ग्रामीण सड़कों के लिए खर्च होने वाली राशि के 16 गुने के बराबर है। इतनी रकम से चार लाख वेयरहाउस यानी अन्न भंडार गृह बनाए जा सकते हैं या सिंचित जमीन के दायरे को 55 प्रतिशत अधिक बढ़ाया जा सकता है जो पिछले 60 वर्षों में हासिल उपलब्धि से बड़ी थाती होगी। पांच वर्षों में किसानों की आमदनी दोगुना करने का सरकारी लक्ष्य भली मंशा और दूरदर्शिता से परिपूर्ण है। हालांकि विभिन्न तबकों विशेषकर कृषि अर्थशास्त्रियों को इसके फलीभूत होने को लेकर तमाम आशंकाएं दिखती हैं। असल में आवश्यक वित्तीय संसाधन जुटाने में सरकार की संदिग्ध क्षमता और उससे भी बढ़कर योजना के सक्षम क्रियान्वयन के चलते उनका यह संदेह गहराता है। पिछले साठ वर्षों के दौरान केंद्र और राज्यों में सत्तारूढ़ रही विभिन्न सरकारों के रवैये से भी उनकी आशंकाओं को बल मिलता है। केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए तमाम कदमों से यह संकेत मिलता है कि इस दिशा में व्यापक योजना बनाने के लिए गंभीर कोशिशें हो रही हैं। हालांकि इसकी सफलता काफी

हद तक इस पर निर्भर करेगी कि अगले पांच वर्षों में उन्हें अमल में लाने का जिम्मा किन्हें सौंपा जाता है और इसके लिए प्राथमिकताएं कैसे तय की जाती हैं? अफसोस की बात है कि कृषि को न तो केंद्र में और न ही राज्यों में आर्थिक मंत्रालयों का हिस्सा माना जाता है। नेतृत्व भी इसके लिए सबसे काबिल मंत्री नहीं तलाशता। उसकी नजर भी गृह, वित्त, रक्षा, परिवहन और वाणिज्य जैसे कुछ मंत्रालयों पर ही होती है। मंत्रिपरिषद में हुए हालिया फेरबदल में राष्ट्रीय मीडिया में कृषि मंत्रालय को लेकर ज्यादा सुगबुगाहट नहीं हुई जबकि इसे लेकर हफ्ते भर तक अटकलों का दौर चलता रहा। भारत की लगभग 60 फीसदी आबादी अपनी आजीविका और समृद्धि के लिए कृषि पर ही निर्भर है और अगर किसी को भारत के वंचित वर्ग और सभी की जरूरतों का इतना ही ख्याल है तो फिर ऐसी उदासीनता क्यों?

कुछ कदम उठाकर किसानों की आमदनी को दोगुना बढ़ाने में मदद मिल सकती है, लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि आरंभ से लेकर अंतिम बिंदु तक कोई कोताही न रह जाए। जिन उत्पादों के दम पर किसानों को 10 से 15 प्रतिशत अधिक खुदरा मूल्य हासिल हो सके उनका बेहतर तरीके से प्रबंधन होना चाहिए। इसके लिए तीन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सबसे पहले तो कृषि विपणन एवं उत्पाद समिति यानी एपीएमसी को खत्म कर उसके स्थान पर मांग और आपूर्ति के आधार पर उचित बाजार व्यवस्था बनाई जाए। दूसरा यह कि खेत से लेकर बाजार तक बेहतर सड़कें बनाई जाएं जिनसे हर मौसम में आवाजाही संभव हो सके। तीसरा यह कि प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ गोदाम बनाएं।

किसानों को बीज, उर्वरक और पानी की संगठित रूप से निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसकी उचित निगरानी भी हो ताकि उनकी आपूर्ति से जुड़े निजी उद्यमी कीमतों में हेरफेर कर गैरवाजिब तरीके से मुनाफा न बना लें। उपलब्ध जल संसाधनों के उचित दोहन के लिए उनका सक्षम प्रबंधन हो। साथ ही नए जल स्रोतों और छिड़काव आधारित सक्षम सिंचाई विधि को प्रोत्साहन दिया जाए। खेती का आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। एक तो छोटी जोतों का एकीकरण किया जाए। दूसरा मिट्टी की सेहत बेहतर बनाई जाए। तीसरा बीज से लेकर पैदावार तक की गुणवत्ता बढ़ाई जाए। किसान और ग्रामीण भारत तमाम कष्ट झेल चुका। सीएसओ और आरबीआइ द्वारा अन्य क्षेत्रों की की ही तरह कृषि की प्रगति रिपोर्ट भी हर तिमाही में जारी की जाए। इसका ब्योरा भी व्यापक होना चाहिए ताकि उस पर सार्थक बहस हो सके। इस पर होने वाली चर्चा से नौकरशाही का रवैया भी बदलेगा। भले ही जीडीपी में कृषि का योगदान महज 17 प्रतिशत हो, लेकिन इससे देश के 60 फीसद लोगों के सुख-दुख तय होते हैं। कर्ज माफी के महारथी शायद इस तथ्य से वाकिफ नहीं हैं कि ऐसे उपाय से किसानों और ग्रामीण भारत की क्रय शक्ति पर ग्रहण लग जाता है, क्योंकि उनके लिए नए कर्ज के रास्ते अमूमन बंद हो जाते हैं। उन्हें अपने विमर्श में बदलाव लाने की जरूरत है।

रोल मॉडल बिहार

बिहार इस बात पर गर्व कर सकता है कि पूर्ण शराबबंदी के बाद अब दो अक्टूबर से राज्य में दहेज प्रथा और बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलने जा रहा है। बेशक बिहार में ये सभी समस्याएं बाकी राज्यों के मुकाबले कहीं अधिक प्रबल हैं, पर ऐसा भी नहीं कि बाकी राज्य इन समस्याओं से मुक्त हैं। ऐसे में बिहार को यह श्रेय मिलना चाहिए कि उसके राजनीतिक नेतृत्व ने पहल करके खुद को रोल मॉडल राज्य साबित किया। इन तीनों सामाजिक समस्याओं के खिलाफ अभियान चलाने की सोच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की है। पूर्ण शराबबंदी लागू हुए करीब डेढ़ वर्ष गुजर गया। इस दौरान गैरकानूनी ढंग से शराब के कारोबार और सेवन की घटनाएं सामने आती रही हैं। इसके बावजूद इसमें दो राय नहीं कि पूर्ण शराबबंदी ने सूबे के समग्र जनजीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। खासकर गरीबी की रेखा से नीचे और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए नीतीश कुमार का यह फैसला वरदान साबित हुआ। वर्षों से शराब पीने के लती व्यक्तियों को शुरू में बेशक कठिनाई का सामना करना पड़ा लेकिन इलाज और इच्छाशक्ति के बल पर ज्यादातर लोग इस लत से मुक्त होने में सफल रहे। शराबबंदी के बाद जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आए सकारात्मक बदलाव के आंकड़े आत्मविश्वास बढ़ाने वाले हैं। शायद इसी से प्रेरित एवं प्रोत्साहित होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गांधी जयंती के दिन दहेज प्रथा और बाल विवाह के खिलाफ जोरदार मुहिम शुरू करने का फैसला लिया। दहेज प्रथा राष्ट्रव्यापी समस्या है। चिंता की बात है कि यह समस्या उच्च जातियों और अभिजात्य, उच्च शिक्षित एवं उच्च पदधारी वर्गों में अधिक है। इसी वजह से इसके खिलाफ तमाम प्रयास निरर्थक साबित हुए। अब बिहार में इसके खिलाफ मोर्चा खुलने जा रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि शराबबंदी की तरह दहेज प्रथा के खिलाफ भी पूरे देश को बिहार से प्रेरणा मिलेगी। बाल विवाह की समस्या बिहार में सर्वाधिक विकट है। इस समस्या का सीधा संबंध अशिक्षा, गरीबी और लड़कियों की सुरक्षा से है। इसी समस्या का कहीं ज्यादा वीभत्स पहलू लड़कियों की तस्करी के रूप में मौजूद है। इन बुराइयों को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पूरे राज्य को संकल्पबद्ध होना पड़ेगा। इस मुहिम में राजनीतिक दलों को भी एकजुट होकर राज्य की ताकत बढ़ाना चाहिए।

होटल में चल रहा हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

उज्बेकिस्तान, रुस से लाई जाती थी लड़कियां

पुणे। पुलिस की सामाजिक शाखा ने यहां के एक फाइव स्टार होटल में छापा डालकर रुस और उज्बेकिस्तान की दो लड़कियों के साथ एक दिल्ली की लड़की को भी हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट की दलदल से छुड़ाया है। वहीं पांच लोगों के खिलाफ ह्यूमन ट्रैफिकिंग कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक यरवदा इलाके में एक फाइव स्टार होटल में हाइ प्रोफाइल सेक्स रैकेट चलाए जाने की जानकारी मिली थी। इसके अनुसार ट्रैप लगाया गया फिर छापा डाला गया। छापे में एक रुस की और दूसरी उज्बेकिस्तान की रहने वाली लड़की मिली। वहीं तीसरी लड़की दिल्ली की रहने वाली थी। तीनों को हड़पसर के महम्मदवाड़ी स्थित रेस्क्यू होम में रखा गया है। अपर पुलिस आयुक्त प्रदीप देशपांडे के मुताबिक, राजू उर्फ राहुल नामक शख्स अपने एजेंटों के साथ मिलकर यह इंटरनेशनल रैकेट चला रहा था। देश और विदेश की लड़कियो को लाता था और फाइव स्टार होटल में रुम बुक कर उनके पास कस्टमर भेजता था।

राजू के एजेंट साथी उसके पास व्हाट्सएप के जरिए कस्टमर भेजते थे। ऐसा काफी दिनों से चल रहा था। पुलिस ने राजू के अलावा उसके साथी जॉन शर्मा उर्फ जतीन चावला, सागर, टोनी एजेंट मुंबई, सुरेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले के जांच की जा रही है।

आँखों का फ्री शिवीर वसई में

वसई। संस्कार भारती प्रतिष्ठान वसई द्वारा दिनांक 1 आक्टोबर 2017 रविवार को सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक मुफ्त नेत्र चिकित्सा और मोतिया बिन्दु के ऑपरेशन व मुफ्त चश्मों के वितरण का केंप किया जा रहा है। इस केंप के प्रायोजक है लायन क्लब ऑफ जुहू व सहयोग देने वाली संस्था है वसई अंधदुख निवारण मण्डल का आँखों का अस्पताल, वसई व मुफ्त चश्मों को वितरण लायन क्लब ऑफ वसई पर्ल्स द्वारा किया जा रहा है। आपरेशन के दौरान अस्पताल में रहने, खाने झपीने का खर्चा अस्पताल द्वारा किया जाएगा। शिबीर का स्थान-जोशी पार्टी हाल, शुभलक्ष्मी शॉपिंग काम्प्लेक्स,वसंत नगरी, वसई (पूर्व)। संस्कार भारती प्रतिष्ठान के सेक्रेटरी अखिलेश मिश्रा, कार्याध्यक्ष अशोक भाटिया व ट्रेजरर महेंद्र जोशी द्वारा ज्यादा से ज्यादा नेत्रा मरीजों को इस शिबीर में लाभ लेने का निवेदन किया गया है।

बुजुर्ग पेशेंट ने चेकअप के दौरान डॉक्टर पर किया चाकू से अटैक

पुणे। यहां के सिंहगढ़ इलाके में बने एक हॉस्पिटल में 75 बुजुर्ग मरीज ने सोमवार को चेकएप करने आए डॉक्टर पर चाकू से हमला किया। मरीज द्वारा अचानक किए गए हमले से डॉक्टर घायल हुआ है। उसके हाथ और पेट में चोट लगी है। यह पूरा मामला हॉस्पिटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। सिंहगढ़ स्पेशालिटी हॉस्पिटल में 4 दिन पहले एक अस्थमा का 75 वर्षीय पेशंट इलाज के लिए लाया गया था। उनकी ट्रिटमेंट डॉ. संतोष आवारी कर रहे थे। पेशंट हालत में सुधार हुथा लेकिन उन्हें और चार दिन हॉस्पिटल में रखने की सलाह दी गई थी। डॉक्टर के मुताबिक पेशंट को शराब छोड़ने की वजह से परेशानी हो रह थी। सोमवार शाम डॉक्टर मरीज के पास गए। वही बेड़ पर पड़े बुजर्ग का चेकअप कर रहे थे, तभी अचानक उसने डॉक्टर को धकेला और उसके हाथ और पेट पर चाकू से हमला किया।

एक्ट्रेस जिया की मां का पीएम मोदी को खत, कहा-पुलिस ने हत्या को बनाया सुसाइड

मुंबई। एक्ट्रेस जिया खान की मौत को लेकर उनकी मां राबिया खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर न्याय मांगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे मामले में लोकल पुलिस ने उनकी बेटी की हत्या को सुसाइड का मामला बना दिया। उन्होंने दावा किया कि 3 जून 2013 को जिया फ्लेट में मरी पाई गई। दरअसल, उसकी हत्या हुई थी। 18 सितंबर को लिखी चिट्ठी में उन्होंने जिया को यूएस की नागरिक बताया है। बता दें कि अभी तक इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि जिया खान की हत्या हुई थी या फिर उन्होंने आत्महत्या की थी। जिया खान की मां पहले भी मोदी सरकार से अपनी बेटी की मौत की दोबारा जांच करवाने की मांग उठा चुकी हैं। लेकिन इस मामले को लेकर सरकार की अनदेखी के बाद अब राबिया खान ने मोदी को चिट्ठी लिखकर पूरे मामले की जानकारी देकर अपनी बेटी की मौत की फिर से जांच करवाने की गुजारिश की है। राबिया ने पीएम मोदी को लिखे गए खत में पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा है कि पुलिस ने इस सोची समझी मौत की साजिश को आत्महत्या करार दिया है। राबिया ने इस

खत में पीएम मोदी से कहा कि उन्होंने न्याय के लिए साल 2013 में भी मुंबई हाई कोर्ट में फोरेंसिक एविडेंस के साथ याचिका दायर की थी। इस फोरेंसिक एविडेंस में ब्रिटिश फोरेंसिक एक्सपर्ट की ओर से साफ तौर से लिखा गया था कि जिया के शरीर पर मिली चोटों के निशानों की जांच और बाकी सबूतों के आधार पर जिया खान की मौत को सुसाइड नहीं कहा जा सकता। हाल ही में राबिया ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन भी दायर की थी, लेकिन उनकी इस याचिका को खारिज कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने राबिया को इस मामले के बारे में निचली अदालत में याचिका दायर करने को कहा था। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मामले को लेकर विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की याचिका को खारिज भी कर दिया था। साल 2016 में जिया की मां राबिया खान ने बॉम्बे हाईकोर्ट में मामले में एसआईटी गठित करने की मांग की थी। जिया खान बॉलीवुड एक्ट्रेस थीं। वो कई फिल्मों में नजर आ चुकी थीं। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ भी एक फिल्म की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक वो आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली के साथ रिलेशनशिप में थी। 2013 में वो अपने फ़्लैट में मृत पाई गई थीं। इस मामले में सूरज पंचोली पर आरोप लगे थे। ये हाई प्रोफाइल मामला अंडर ट्रायल है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

'सुपरकॉप' प्रदीप शर्मा ने की...

पुलिस सूत्रों की मानें तो इकबाल को जब पकड़ा गया तब वह अपनी बहन हसीना पारकर के घर पर उसकी लाइफ पर बनी फिल्म 'हसीना' देख रहा था और बिरयानी खा रहा था। इकबाल की गिरफ्तारी के बाद ठाणे पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसके मुताबिक, कासकर को उसकी बहन के घर से अरेस्ट किया गया। अदालत ने कास्कर के अलावा दो अन्य लोगों को 8 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पाकमोडिया स्ट्रीट का अपना घर खाली करने के बाद इकबाल कई दिनों से अपनी फैमिली के साथ रह रहा था। कासकर और उनके 4 साथियों को एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की अगुआई में ठाणे पुलिस ने मुंबई के नागपाड़ा इलाके से अरेस्ट किया है। जिस वक्त प्रदीप शर्मा की टीम नागपाड़ा में बने हसीना के घर गारडॉन हाउस में पहुंची। इकबाल अपने परिवार के 8 लोगों के इलावा कुछ दोस्तों के साथ हसीना पारकर की लाइफ पर बनी फिल्म 'हसीनाः द क्वीन ऑफ मुंबई' देख रहा था। ठाणे पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की मानें तो इकबाल को जब पकड़ा गया तब वह अपने परिवार वालों के साथ बिरयानी खा रहा था। सूत्रों की मानें तो फिल्म के प्रोड्यूसर रिलीज से पहले इसे हसीना की फैमिली को दिखाना चाहते थे। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि फिल्म स्टाफ की ओर से नहीं की गई है। छापे के वक्त घर में इकबाल के साथ उसकी वाइफ और तीन बच्चे भी थे। हसीना पारकर का एक बेटा, बहू और एक बेटी है।

दाऊद इब्राहिम का छोटा भाई इकबाल कासकर मुंबई में रहता है। इकबाल दाऊद का चौथे नंबर का भाई है और वो अपने परिवार के साथ मुंबई के नागपाड़ा इलाके में रहता है। इकबाल कासकर समेत दाऊद के सात भाई और चार बहनें हैं। 2003 में इकबाल को मुंबई पुलिस ने दुबई से गिरफ्तार किया था। उसे दुबई से डिपोर्ट कर मुंबई लाया गया था। उस दौरान उसपर मकोका लगाया गया, जिसके बाद वह 4 साल तक मुंबई की ऑर्थर रोड जेल में रहा। 2007 में इकबाल को सबूतों के अभाव में कोर्ट से रिहाई मिल गई। इकबाल पर मुंबई के सारा-सहारा बिजनेस सेंटर में ब्लैक मनी लगाने का केस चला, लेकिन जांच एजेंसियां कोर्ट में इस मामले में आरोप साबित नहीं कर पाई। इकबाल पर साल 2011 में नागपाड़ा इलाके में ही जानलेवा हमला हुआ था। फायरिंग में इकबाल के ड्राइवर की मौत हो गई थी। दो हमलावरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इनके पास से विदेशी हथियार भी बरामद हुए थे।

मुंबई में भारी बारिश

आईएमडी अधिकारियों के मुताबिक, समुद्र तट पर सक्रिय वेदर सिस्टम के कारण भारी बारिश हुई है। मुंबई के बेहद करीब स्थित रायगढ़ में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है और मौसम विज्ञानियों ने बताया कि इसका मुंबई पर भी असर होने के आसार हैं। आईएमडी(पश्चिम क्षेत्र) के उप-महानिदेशक के.एस.होसलीकर ने बताया, 'मुंबई के ऊपर घने बादल हैं और उत्तर की तरफ हवा बह रही है। अरब सागर और तट पर वेदर सिस्टम सक्रिय है जिससे शहर में अपेक्षाकृति अधिक बारिश होने की संभावना है।'

सपा में फिर बढ़ सकती है...

दरअसल, शिवपाल यादव पार्टी और परिवार के इस झगड़े के बाद राजनीति में एकदम दरकिनार हो गए हैं और समाजवादी पार्टी में वह सम्मान वापसी की राह तलाश रहे थे। लेकिन सूत्रों के मुताबिक अखिलेश यादव और उनके समर्थक किसी भी तरह उनपर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। इसलिए अब वो मुलायम को आगे करके कोई नया दांव खेलना चाहते हैं। इससे पहले समाजवादी पार्टी में गतिविधि बढ़ गई है। बुधवार 20 सितंबर को समाजपार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। 21 तारीख को मुलायम सिंह यादव और शिवपाल यादव ने लोहिया ट्रस्ट की बैठक बुलाई है। इस ट्रस्ट में अखिलेश यादव और रामगोपाल यादव भी सदस्य हैं। ये लोग बैठक में शामिल होते हैं या नहीं इसपर सबकी नजरें होंगी। क्योंकि इस ट्रस्ट में मुलायम के करीबी लोगों का बोलबाला है। अखिलेश के जो भी लोग इस ट्रस्ट में सदस्य थे उन सबको शिवपाल यादव पहले ही बाहर का रास्ता दिखा चुके हैं। माना जा रहा है कि अखिलेश के बचे खुचे लोगों को भी मुलायम और शिवपाल अब ट्रस्ट से बाहर का रास्ता दिखा देंगे। लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में 23 सितंबर को अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी का प्रादेशिक सम्मेलन बुलाया है और 5 अक्टूबर को आगरा में समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन बुलाया गया है। इन बैठकों के जरिये अखिलेश यादव पार्टी में अपनी पकड़ को मजबूर करना चाहते हैं और अपने अध्यक्ष होने पर एक बार फिर राष्ट्रीय अधिवेशन की मुहर लगाना चाहते हैं। हाल ही में समाजवादी पार्टी ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल से बढ़ाकर पांच साल कर दिया था। इस फैसले के ऊपर भी राष्ट्रीय अधिवेशन में औपचारिक मंजूरी ली जाएगी। सूत्रों के मुताबिक अधिवेशन के लिए जो निमंत्रण भेजे जा रहे हैं उनमें मुलायम सिंह का चित्र गायब है और पोस्टरों में भी वो नजर नहीं आएंगे।

मोदी सरकार के एक फैसले से अरुणाचल में हुई हिंसा, आगजनी

अरुणाचल प्रदेश में केंद्र सरकार के एक फैसल के कारण व्यापक हिंसा, एवं आगजनी हुई। केंद्र सरकार के चकमा और हाजोंग शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान के फैसले के खिलाफ प्रदेश में जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

अखिल अरुणाचल प्रदेश छात्र संघ (एएपीएसयू) द्वारा आहूत 12 घंटे के राज्यव्यापी बंद के दौरान हुई हिंसा के कारण अरुणाचल प्रदेश में जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजधानी के पुलिस अधीक्षक सागर सिंह कलसी ने बताया कि बंद समर्थकों ने सुबह के व्यस्त समय के दौरान राज्य की राजधानी में एक सरकारी परिवहन निगम की बस और एक निजी वाहन को जला दिया और कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया। नमसई, चांगलांग और कई अन्य जिलों से भी हिंसा होने की खबर मिली है।

सभी सरकारी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान, बाजार, व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हैं जबकि निजी और सरकारी परिवहन सेवा सड़कों पर नहीं चल रही हैं। हालांकि सुबह के दौरान कुछ सरकारी बसों को सड़कों पर देखा गया लेकिन बाद में सेवा रोक दी गई। केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा राज्य में चकमा और हाजोंग शरणार्थियों को नागरिकता दिए जाने के हालिया निर्णय के खिलाफ विरोध जताते हुए एएपीएसयू ने बंद का आह्वान किया है।

सुषमा से मुलाकात के बाद बोली इवांका ट्रंप, करिश्माई नेता हैं भारत की विदेश मंत्री

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचीं। उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं सुषमा एक सप्ताह यहां रूकेंगी। समझा जाता है कि अपने सप्ताह भर के इस दौरे में सुषमा, सत्र में शिरकत करने आए अन्य नेताओं के साथ करीब 20 द्विपक्षीय और त्रिपक्षीय बैठकें करेंगी। सोमवार को द्विपक्षीय वार्ता की शुरूआत हुई जिसमें भारत, अमेरिका और जापान ने बिना किसी देश का नाम लिए उत्तर कोरिया को परमाणु तकनीक मुहैया कराने वालों की पहचान करने तथा उसमें लिप्त देशों की जिम्मेदारी तय करने की जरूरत पर बल दिया है। तीनों देशों ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, कनेक्टिविटी एवं परमाणु खतरे को लेकर गहन विचार मंथन किया और इसके मद्देनकार आपसी सहयोग बढ़ाने के उपायों पर बातचीत की।

तीनों देशों के विदेश मंत्रियों ने आज आवागमन की आजादी, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के सम्मान और विवादों के शांतिपूर्ण हल की जरूरत पर जोर दिया। डोकलाम संकट और चीन के दमनकारी बर्ताव की पृष्ठभूमि में आज तीनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर त्रिपक्षीय बैठक हुई। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन और जापान के विदेश मंत्री टी. कोनो ने समुद्री सुरक्षा, संपर्क और प्रसार के मुद्दों पर विचारों का आदान प्रदान किया।

इवांका मिलीं सुषमा

सुषमा स्वराज और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी एवं सलाहकार इवांका ट्रंप ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र से इतर आज मुलाकात की। भारत में नवंबर में वैश्विक उद्यमिता शिखर सम्मेलन (जीईएस) में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने जा रहीं इवांका ने दोनों देशों में महिला उद्यमिता एवं कार्यबल विकास पर चर्चा की। इवांका ने बैठक के बाद एक ट्वीट में कहा, हमने अमेरिका और भारत में महिलाओं की उद्यमिता, आगामी जीईएस 2017 और कार्यबल विकास पर चर्चा की। भारत और अमेरिका 28 से 30 नवंबर तक हैदराबाद में जीईएस की सहमेजबानी करेंगे।

जीईएस विश्वभर में उभरते उद्यमियों, निवेशकों और व्यापारिक नेताओं की वार्षिक सभा है। इवांका ने सुषमा को करिश्माई विदेश मंत्री बताया। उन्होंने ट्विटर पर कहा, मैं लंबे समय से भारत की कुशल एवं करिश्माई विदेश मंत्री सुषमा स्वराज का सम्मान करती हूं। उनसे आज मिलना सम्मान की बात है। भारतीय दूतावास ने यहां एक ट्वीट के जरिए बताया कि सुषमा ने महिला उद्यमिता और भारत में इवांका की आगामी यात्रा पर चर्चा की। सुषमा यहां की सप्ताह भर की यात्रा में उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं।

एलसीएम रिकॉर्ड्स द्वारा जारी विशाल चतुर्वेदी का पहला गाना एक हवा 4 मिलियन लोगों ने देखा गया

वीडियो निर्देशक विशाल चतुर्वेदी का नया प्रोजेक्ट एक हवा है,जिन्होंने इस गीत के लिए संगीत और गीत लिखे है। वीडियो को लेह-लद्दाख के मोहक स्थानों पर चित्रित किया गया। गीत आपको दैनिक जीवन की बंधनों को तोड़ने और प्रकृति की प्रकृति प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। रोमांटिक गानों के वर्तमान संगीत दृश्य के विपरीत विशाल ने दो बाईकर्स के पहाड़ों में जाने और पृथ्वी माता की गोद में अपने संगीत को पहुंचाने की कोशिश की है। सिड पॉल ने इस गीत के लिए गिटार बजाये और वीडियो में बाइकर के रूप में भी काम किया है। यह वीडियो एशिया के सबसे बड़े मनोरंजन पेज लाफिंग कलर्स के समर्थन से फेसबुक और यूट्यूब पर 40 लाख से अधिक लोगों ने देखा, 1 लाख से अधिक पसंद और हजारों शेयर और टिप्पणियां की हैं। लाफिंग कलर्स के श्री राजेश शर्मा की टीम ने इस बात की जानकारी दी है।

देश के पांच नामी स्कूल जहां हुई 5 बच्चों की मौत अभी तक नहीं मिला न्याय

प्रद्युम्न की हत्या का मामला अभी कोर्ट में है और अभिभावक ही नहीं पूरे देश को न्याय की उम्मीद है। लेकिन इससे पहले भी देश के नामी निजी स्कूलों में छात्र-छात्राओं की मौत के मामले सामने आए हैं। इन स्कूलों में छात्रों की मौत स्कूल प्रशासन की अनदेखी से हुई लेकिन अभिभावक लापरवाही के लिए जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधनों पर कार्रवाई के लिए आज भी संघर्ष कर रहे हैं। जहां कुछ मामले कोर्ट में हैं तो कुछ में पुलिस द्वारा फाइनल रिपोर्ट लगा दी गई है। आइए जानते हैं देश के पांच बड़े स्कूलों में 5 बच्चों की मौतें।।। और कहां तक पहुंची न्याय की लड़ाई।

छात्र अरमान सहगल

चौथी कक्षा के छात्र अरमान सहगल की मौत 1 अगस्त 2017 को गाजियाबाद, इंदिरापुर के जीडी गोयनका स्कूल में कक्षा के बाहर ही फर्श पर गिरने से हुई थी। परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए इंदिरापुरम थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी लेकिन स्कूल के चेयरमैन और प्रधानाचार्य समेत चार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका डालकर गिरफ्तारी पर स्टे ले लिया था। इसके बाद अरमान सहगल के पिता गुलशन सहगल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर पूरे मामले की जांच सीबीआई या एसआईटी से कराने की मांग की। इसकी सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को 15 अक्तूबर तक मामला निपटाने के आदेश दिए हैं। इस मामले में 4 अक्तूबर को सुनवाई होनी है।

दूसरी कक्षा की छात्रा गजल यादव

31 जनवरी 2017 में डीपीएस वर्ल्ड स्कूल नोएडा एक्सेटेंशन में दूसरी कक्षा की छात्रा गजल यादव की मौत हो गई थी। गजल 'ले कराटे चैंपियनशिप' में हिस्सा लिया जहां उसे चोट लग गई। लेकिन अभिभावकों के आरोपों के अनुसार अस्पताल प्रबंधन ने दो घंटे तक बच्ची को इलाज नहीं मुहैया कराया और उसकी मौत हो गई। इस मामले में प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए अभिभावकों ने एफआईआर की। सोशल साइटों पर गजल के लिए न्याय मांगने के साथ ही राज्यसभा सदस्य राजीव चंद्रशेखर ने भी ट्वीट किए। केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने एनसीपीसीआर को जांच के निर्देश भी दिए। गजल के पिता लाल चंद यादव का कहना है कि इस मामले को दबा दिया गया है। पुलिस ने इसमें फाइनल रिपोर्ट लगा दी है और केस बंद कर दिया है। स्कूल प्रबंधन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका डालने की तैयारी कर रहे हैं।

स्कूल के वाटर टैंक में गिरने से देवांश की मौत, अभी तक न्याय नहीं

30 जनवरी 2016 में वसंत कुंज के रायन इंटरनेशनल स्कूल में दर्दनाक हादसा हुआ। 6 साल के देवांश ककरोरा की स्कूल में बने पानी के टैंक में गिरने से मौत हो गई। इस मामले में अभिभावकों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई। जिसमें प्रधानाचार्य और स्कूल स्टाफ के चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। लेकिन सभी को जमानत पर रिहा कर दिया गया। अभिभावकों ने देवांश के लिए न्याय की मांग करते हुए कई बार विरोध प्रदर्शन और अभियान भी चलाए, वहीं देवांश के पिता ने सीबीआई जांच की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई। मामला अभी कोर्ट में है।

मोहम्मद नादिर को भूल गए सब

29 अगस्त 2008 में डीपीएस मथुरा रोड में छठी कक्षा के छात्र मोहम्मद नादिर की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई थी। इसमें पुलिस ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया था, लेकिन नादिर को न्याय नहीं मिल पाया। दिल्ली अभिभावक संघ की अध्यक्ष अपराजिता गौतम का कहना है कि अगर अभिभावक बच्चों के शोषण की शिकायत लेकर पुलिस के पास जाते हैं तो पुलिस वाले कहते हैं कि ये मामले उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते।

इसके बाद अभिभावक बाल अधिकार संरक्षण आयोग में पत्र भेजते हैं। वहां से पुलिस को पत्र जाता है और इसी प्रकार पत्राचार होता रहता है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती।

स्कूल के टॉयलेट में मिला दूसरी कक्षा के छात्र का शव

कब सुलझेगी प्रद्युम्न की मौत की गुत्थी

8 सितंबर 2017 को गुरुग्राम के रायन इंटरनेशनल स्कूल में दूसरी कक्षा के छात्र प्रद्युम्न की हत्या का मामला सामने आया। प्रद्युम्न की स्कूल के शौचालय में चाकू से गला काटकर हत्या की गई थी।

इस मामले में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर के साथ ही बस कंडक्टर को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन पुलिस की जांच से असंतुष्ट प्रद्युम्न के पिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली वहीं सुप्रीम कोर्ट ने भी मामले का स्वतः संज्ञान लिया। सीबीएसई ने भी टीमें बनाकर स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की है। स्कूल को तीन महीने के लिए टेकओवर कर लिया गया है। वहीं मामला कोर्ट में चल रहा है।

BJP सरकार के 6 महीने पूरे होने पर योगी ने अखिलेश-राहुल पर कसा तंज

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के 6 महीने पूरे हो गए हैं और इसको लेकर उन्हें कई सवालों में घेरा गया है। योगी के मुख्यमंत्री बनते ही शुरू के 15 दिन वो लगातार एक्शन में दिखे थे एक के बाद एक बड़े फैसले लिए थे, लेकिन उसके बाद वो कुछ ठंड़े पड़ते नजर आए। ऐसे में एक अखबार से हुई खास बातचीत के दौरान उन्होंने कई मुद्दों को बताया और साथ ही विपक्ष पर निशाना भी साधा।

जानकारी के अनुसार योगी ने हाल ही में चल रहे वंशवाद वाले बयानों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वंशवाद को लेकर जनता ने 2014 और 2017 में जवाब दिया है। लोग बेरोजगार होंगे तो कुछ तो बोलेंगे अब कोई मुद्दा भी तो उनके पास नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा मेरी पूरी टीम देखती है कि मैं 18 घंटे काम करता हूं। मंत्री हो या अधिकारी कोई भी बैठक के बीच से उठ नहीं सकता सब जानते है कि रिजल्ट देना है इसलिए हर हफ्ते फीडबैक लेता हूं। उन्होंने ये दावा करते हुए कहा कि 5 सालों में उत्तर प्रदेश को देश का उभरता हुआ राज्य बनाऊंगा।

इतना ही नहीं उन्होंने ये भी कहा कि एक सासंद के रूप में था या अब एक सीएम के रूप में या मैं एक योगी के रूप में रहूं, लेकिन कर मैं वहीं रहा हूं जो एक सन्यासी के रूप में करना चाहिए। गोरखपुर में बच्चों के साथ हुए हादसे को लेकर उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन की कमी से एक भी मौत नहीं हुई ये सब अफवाह थी। जब योगी को 6 महीने में हुए बदलाव को लेकर घेरा गया तो उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के प्रति जो धारणा थी वो बदली है।

उन्होंने कानून को लेकर, सड़कों को लेकर कहा की ये भी बदली है गड्ढामुक्त किया है दंगे नहीं हुए है। पुलिस की पैदल गश्त की शुरूआत कराई है।

पाक के खिलाफ सख्त फैसले के मूड में ट्रंप

अमरीका और पाकिस्तान के बीच लगातार खराब होते संबंधों कारण दोनों देशों के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। इसी के चलते जहां पाकिस्तान ने संकेत दिए हैं कि वह अमरीका के साथ संबंधों को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है वहीं, अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप भी पाक के खिलाफ सख्त फैसले के मूड में नजर आ रहे हैं। पाक के नापाक हरकतों से बाज न आने कारण अमरीका पाकिस्तान को टेररिस्ट स्टेट घोषित करने का फैसला लेने का मन बना रहा है।

उधर, ट्रंप की ओर से आतंकवादी समूहों को संरक्षण देने का आरोप लगाए जाने से भड़का पाकिस्तान अमरीका के खिलाफ राजनयिक नीति को लेकर तीन विकल्पों पर विचार कर रहा है। इनमें से एक विकल्प अफगानिस्तान में अमरीका और नाटो सेनाओं को पाकिस्तान के जरिए पहुंच पर रोक लगाने का भी है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार पाक जिन तीन विकल्पों पर विचार कर रहा है, वह हैं- अमरीका के साथ कूटनीतिक संबंधों को सीमित करना, आतंकवाद के खिलाफ आपसी सहयोग को कम करना और अफगानिस्तान में अमरीकी रणनीति में उसका साथ न देना।

यही नहीं पाकिस्तान ने यह भी चेतावनी दी है कि वह अमरीका से अब ऋ-16 लड़ाकू विमानों की खरीद नहीं करेगा और भविष्य में चीन की ओर इसके लिए रुख कर सकता है। पाकिस्तान की इन्हीं हरकतों की वजह से पाक से गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा छीनने के साथ ही अमरीका उसको मिलने वाली सभी तरह की मदद को खत्म करना चाहता है। इसके अलावा आईएसआई के संदिग्ध अधिकारियों पर ट्रैवल बैन भी लगाया जा सकता है। अंत में अमरीका पाकिस्तान को आंतकवादी देश भी घोषित करने पर विचार कर सकता है। पाकिस्तान को गैर-नाटो सहयोगी के दर्जे से बाहर करने और आतंकी देश घोषित करने से हथियारों तक उसकी पहुंच और विश्व बैंक एवं आईएमएफ जैसी संस्थाओं से लोन लेने में उसे मुश्किल होगी।

NIA को बड़ी कामयाबी दो आरोपियों का इकबालिया बयान दर्ज

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के वित्तपोषण से जुड़े एक मामले में दो आरोपियों से, खासतौर पर पाकिस्तान से धन के प्रवाह को लेकर इकबालिया बयान दर्ज.करवाने में सफल रही है। अधिकारियों ने मंगलवार को ये जानकारी दी।

एनआईए के अधिकारियों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि एक न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज. किए गए बयानों ने अलगाववादियों के खिलाफ मामले को मजबूत कर दिया है जिन्होंने कथित तौर पर घाटी में पथराव करने वालों और अशांति फैलाने वालों तक पैसा पहुंचाया।

अधिकारियों ने कहा कि एक शख्स को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया है, वहीं दूसरे को हिरासत में लिया गया है और बाद में सरकारी गवाह बनने की बात कहने के बाद उसे छोड़ दिया गया। पहले शख्स को इस साल 24 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उसके घर पर छापा मारा था। उस शख्स ने एनआईए के अधिकारियों से संपर्क करके अपना इकबालिया बयान दर्ज. कराने पर सहमति दे दी।

अधिकारियों ने कहा कि उसने इस बारे में विस्तृत ब्योरा दिया कि पाकिस्तान के आतंकी संगठनों और आईएसआई से पैसा घाटी के अलगाववादियों को कैसे भेजा जाता था। इकबालिया बयान दर्ज. कराने वाला दूसरा शख्स पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी का करीबी सहयोगी है।

इकबालिया बयान न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज. कराया जाता है। इसमें आरोपी इस बात की पुष्टि करता है कि वो जांच एजेंसी से किसी तरह के दबाव के बिना बयान दे रहा है। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाती है और इस दौरान अदालत परिसर में कोई जांच अधिकारी मौजूद नहीं रहता। आरोपी के बाद में पलट जाने पर एजेंसी झूठी गवाही का मामला दर्ज. कर सकती है। एनआईए ने आतंकी गतिविधियों की कथित फंडिंग के मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। सूची में गिलानी का दामाद अल्ताफ अहमद शाह और जानामाना कारोबारी जहूर वटाली भी हैं। गिलानी के करीबी और कट्टरपंथी अलगाववादी संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत के प्रवक्ता अयाज अकबर और पीर सैफुल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया है। सूची में अन्य लोगों में नरमपंथी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस प्रवक्ता शाहिद-उल-इस्लाम, मेहराजुद्दीन कलवाल, नईम खान, फारूक अहमद डार उर्फ बिट्टा कराटे, फोटो-पत्रकार कामरान यूसूफ और जावेद अहमद भट हैं।

'कांग्रेस शरद यादव की राज्यसभा सदस्यता बचाने के लिए बना रही है सभापति पर दबाव'

जदयू ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस और सीपीएम शरद यादव की राज्य सभा सदस्यता बचाने के लिए सभापति पर दबाव डाल रहे हैं। जदयू महासचिव के सी त्यागी ने कहा कि सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी और कांग्रेस नेता आनंद शर्मा शरद यादव की राज्य सभा सदस्यता बचाने के लिए सभापति वेंकैया नायडू पर बेजा दबाव बना रहे हैं। त्यागी ने ये भी कहा कि आरजेडी और कांग्रेस उनकी पार्टी तोड़ने में जुटी है।

शरद यादव की राज्य सभा सदस्यता बचेगी या जायेगी ये फैसला राज्य सभा के सभापति वेंकैया नायडू को करना है लेकिन इसे लेकर कांग्रेस और जदयू में जुबानी जंग शुरू हो गई है। जदयू ने आरोप लगाया कि आनंद शर्मा और सीताराम येचुरी बयान देकर सभापति पर प्रेशर डाल रहे हैं। इन दोनों नेताओं ने हाल ही में बयान दिया था कि शरद यादव की सदस्यता खत्म करने की जदयू की मांग पर फैसला लेने के लिए एथिक्स कमेटी या विशेषाधिकार कमिटी का गठन किया जाना चाहिए। यही बात जदयू को नागवार गुजर गई। जदयू ने तो आरजेडी और कांग्रेस पर सीधा आरोप लगाया कि ये दोनों दल उनकी पार्टी को तोड़ने की भी कोशिश कर रहे हैं।

नीतीश के बीजेपी के साथ जाने के बाद से ही जदयू में घमासान मचा है। शरद यादव ने बागी तेवर अपनाते हुए अपने समर्थक नेताओं के धड़े को ही असली जदयू बताया है। यही नहीं शरद खेमा चुनाव आयोग में भी दावा कर आया है कि असली जदयू उनकी पार्टी है। पार्टी तोड़ने के त्यागी के आरोप को कांग्रेस खारिज कर रही है।

शरद यादव की राज्य सभा सदस्यता खतरे में है। नीतीश धड़े ने ना सिर्फ उनकी सदस्यता को खत्म करने की अर्जी दी है बल्कि उनको पार्टी से खुद से निकला हुआ भी मान लिया है। अब सबकी नजर राज्य सभा के सभापति वेंकैया नायडू पर टिकी है, उनका फैसला ही शरद यादव का राजनीतिक भविष्य तय करेगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुझे शर्म आई जब अमेरिका में कहा गया वंशवाद देश के स्वभाव में है: अरुण जेटली

नई दिल्ली। अरुण जेटली ने मंगलवार को राहुल गांधी के वंशवाद वाले बयान पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुझे शर्म आई जब अमेरिका में कहा गया वंशवाद देश के स्वभाव में है। कुछ पार्टियां केंद्रीय भूमिकाओं में वंश विशेष लोगों को रखना चाहती हैं, लेकिन लंबे वक्त बाद यह बोझ बन जाता है। बता दें कि इससे पहले स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर हमला बोला था।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा था कि डेमोक्रेसी (लोकतंत्र) में डायनेस्टी (वंशवाद) की बात कहना सही नहीं है। डेमोक्रेसी और डायनेस्टी साथ नहीं चल सकते। इससे पॉलिटिकल सिस्टम कमजोर होता है। राहुल गांधी ने 12 सितंबर को अमेरिका में बर्कले यूनिवर्सिटी के एक प्रोग्राम में कहा था कि भारत में वंशवाद की राजनीति ही सभी पार्टियों की समस्या है। देश में ज्यादातर ऐसा ही चल रहा है। चाहे आप अखिलेश यादव (मुलायम के बेटे) को देखें या फिर अभिषेक बच्चन या फिर एमके स्टालिन (करुणानिधि के बेटे), अनुराग ठाकुर (हिमाचल प्रदेश के पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल के बेटे) या मुकेश-अनिल अंबानी (धीरूभाई के बेटे)। ये सभी अपने पिता की विरासत ही आगे बढ़ाते दिखते हैं। ये सब बताता है कि देश कैसे चल रहा है।

नायडू ने कहा- मैं किसी पार्टी का नाम नहीं ले रहा हूं

खबर के मुताबिक उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा था, मैं किसी खास पार्टी का जिक्र नहीं कर रहा। न तो इस पार्टी का और न ही उस पार्टी का। किसी ने अपने बयान में कहा था कि हर आदमी एक-दूसरे को फॉलो करने की कोशिश कर रहा है।

बीजेपी की तरफ से स्मृति ने दिया था जवाब?

12 सितंबर को ही स्मृति ईरानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी की तरफ से राहुल को जवाब दिया था। उन्होंने कहा था- राहुल गांधीजी ने विदेश में कहा कि हिंदुस्तान तो ऐसा ही है, डायनस्ट ही वहां सब कुछ चलाते हैं। शायद वे भूल गए कि प्रधानमंत्री स्वयं गांव से आते हैं। वे सामान्य गरीब परिवार में जन्मे हैं। राष्ट्रपति भी उस परिवार से हैं जो हाशिए पर पड़े तबके से आते हैं। उपराष्ट्रपति भी किसान के बेटे हैं। संघर्ष के बाद उन्हें यह दायित्व हासिल हुआ है। तीन बड़े संवैधानिक पदों पर ऐसे व्यक्तियों का होना, इस बात का संकेत है कि लोकतंत्र में वंशवाद की नहीं, मेरिट की जगह होती है। एक नाकाम वंशवादी अपनी नाकाम राजनीति को यूएस में जाकर बयां करता है। कांग्रेस के उपाध्यक्ष जगजाहिर तौर पर ये कह रहे हैं कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अहंकारी हो गई। कांग्रेस को अब इस बारे में सोचना चाहिए। राहुल गांधी ने माननीय प्रधानमंत्री के बारे में जो खराब बातें कहीं, उससे आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि वे ऐसा ही करते हैं।" राहुल ने अमेरिका में जो कहा, उसके लिए ज्यादा सोचने की जरूरत कांग्रेस को है। राहुल को विदेश में जाकर ये सब इसलिए कहना पड़ा कि देश में उनकी नहीं सुनी जा रही।

नशे में टल्ली होकर स्कूल पहुंचे हेडमास्टर

कानपुर। कानपुर के बिल्हौर में एक अध्यापक नशे में बेसुध सड़क पर पड़े थे। हेडमास्टर को दूसरे स्कूल की एक शिक्षिका ने प्रधान की मदद से स्कूल पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने कक्षा में फिर शराब पी। शिक्षक की इस हरकत को बच्चों ने अपने कैमरे में कैद करने के लिए उनके साथ सेल्फी भी ली। खंड शिक्षाधिकारी अमर नाथ ने दो टूक कहा, हेडमास्टर की यह हरकत बेहद शर्मनाक है। इस मामले की जांच की जा रही है। हेडमास्टर पर कार्रवाई की जाएगी। यह मामला बिल्हौर ब्लॉक की लालपुर ग्राम सभा के परसाद निवादा स्थित प्राथमिक विद्यालय का है। यहां के हेडमास्टर प्रदीप कुमार कानपुर से आते हैं। सोमवार को वह शराब के नशे में विधालय पहुंचे और कुछ देर बाद फिर धौरसलार स्थित शराब ठेके पर आ गए। वहां शराब पीने के बाद एक लेकर लालपुर की ओर बढ़े तो रास्ते में जीटी रोड में सड़क पर गिरकर लोटने लगे। इसी दौरान लालपुर के प्राथमिक स्कूल की शिक्षिका नीलम कनौजिया को कुछ लोगों ने इस बाबत बताया। उनसे रहा नहीं गया और वह मौके पर पहुंची। तभी वहां प्रधान सुशील कटियार भी आए गए। दोनों हेडमास्टर प्रदीप को नशे की हालत में उठाकर किसी तरह उन्हें लालपुर स्थित विद्यालय लाए। उन्हें कुर्सी पर बैठाया गया। कुछ देर बाद फिर उन्होंने जेब से शराब का एक पाउच निकाला और बच्चों के सामने शराब पीने लगे। ऐसा देखकर नीलम ने उन्हें फटकारा। उनके जाते ही वह नशे में स्कूल में मौजूद छात्रों के साथ सेल्फी लेने लगे। मामले की जानकारी उनके भाई को दी गई। दोपहर बाद वह स्कूल पहुंचे और प्रदीप को लेकर कानपुर आ गए।

सपा शासन काल में हुई भर्तियों की जांच करा रही योगी सरकार

लखनऊ। योगी सरकार ने अपने श्वेत पत्र में पिछली सरकारों पर युवाओं में कुंठा और हताशा भरने का आरोप मढ़ा है। खासकर पिछली सपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। आरोप है कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग का गठन जून, 2014 में किया गया था। आयोग गठित होने के पश्चात मार्च 2017 तक विभिन्न विभागों के विभिन्न श्रेणियों के समूह ग के पदों पर चयन की कार्यवाही में अनियमितता बरती गई। इन शिकायतों की जांच सतर्कता अधिष्ठान उत्तर प्रदेश से कराये जाने का निर्णय किया गया है। पीसीएस परीक्षा की सीबीआइ जांच हो रही है।

श्वेत पत्र में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में 31 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2017 तक की अवधि के संबंध में मुख्यतः पीसीएस एवं लोअर सब-आर्डिनेट परीक्षा में स्केलिंग के नाम पर एक क्षेत्र विशेष एवं जाति विशेष के अभ्यर्थियों के अंक बढ़ाये जाने, परीक्षा का पेपर आउट होने पर भी परीक्षा निरस्त न करने और व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए उत्तर पुस्तिका बदले जाने जैसी तमाम अनियमितता पाई गई। परीक्षाओं में धांधली के कारण योग्य परीक्षार्थियों के साथ अन्याय हुआ। सरकार इसकी सीबीआइ जांच करा रही है। पुलिस भर्ती में भी पिछली सरकारों के पक्षपात पूर्ण रवैए की जिक्र किया गया है। अनियमितता के कारण अदालतों में कई याचिका दाखिल हुई जिसके कारण आज करीब डेढ़ लाख पद रिक्त पड़े हैं। इसका खमियाजा सरकार को भुगतना पड़ रहा है।

सेल्फी के शौक ने ले ली इंजीनियर की जान

__पटना।__ सेल्फी के बढ़ते फैशन ने बिहार में एक और युवक की जान ले ली है। 24 वर्षीय इंजीनियर आशुतोष अपनी दादी के अंतिम श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए अपने पैतृक गांव करजाइन बाजार गया हुआ था इसी दौरान वो कोसी की जलधारा देखने गया और सेल्फी लेने के चक्कर में नदी में जा गिरा। नदी में गिरने के बाद उसे संभलने का मौका नहीं मिला और वो डूब गया। घटना सुपौल जिले के रतनपुरा थानाक्षेत्र के सातन पट्टी गांव की है जहां कोसी नदी के पूर्वी तटबन्ध के 17 किलोमीटर दूरी पर यह हादसा हुआ। पटना में इंजीनियर की नौकरी कर रहे आशुतोष को सेल्फी का बहुत शौक था और कोसी नदी में डूबने से एक दिन पहले भी वह बराज पर दोस्तों के साथ फोटो खींचते हुए देखा गया था। एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोरों ने कोसी नदी में डूबे छात्र के शव के खोजबीन की लेकिन उसका शव कई घंटों की खोजबीन के बाद भी नहीं मिला है।

तस्करों ने इजाद किया शराब तस्करी का नया तरीका

पटना। त्योहारों के मौसम में शराब तस्कर पड़ोसी राज्यों से शराब की बड़ी-बड़ी खेप बिहार में डंप करने की फिराक में है। राज्य सरकार की खुफिया एजेंसी विशेष शाखा ने इस संबंध में राज्य पुलिस मुख्यालय को आगाह कर दिया है। विशेष शाखा ने इस मामले में राज्य पुलिस मुख्यालय को एक रिपोर्ट भी सौंपी है, जिसमें राज्य के सीमावर्ती जिलों में प्रवेश करने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की सघन तलाशी लेने और यात्री बसों पर विशेष नजर रखने का सुझाव दिया है। दरअसल, पिछले साल अप्रैल से राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बाद देश के कई राज्यों से बिहार में शराब की तस्करी के सैकड़ों मामले सामने आए हैं। इनमें हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, उत्तर प्रदेश और बंगाल समेत उत्तर-पूर्व के राज्यों से शराब की की जा रही है। विशेष शाखा ने आगाह किया है कि त्योहारों के मौसम में शराब की तस्करी कुछ नए अंदाज में हो सकती है। अब तस्करों ने शराब के बड़े कंसाइनमेंट की जगह छोटे-छोटे कंसाइनमेंट में शराब की खेप बिहार में प्रवेश करने की साजिश रची है। बिहार पुलिस की खुफिया शाखा ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अब ट्रकों में शराब की बड़ी खेप की जगह तस्करों ने लग्जरी वाहनों के सहारे अन्य राज्यों से शराब की खेप को बिहार लाने की तैयारी की है।

इसके लिए राज्य के सभी इंट्री प्वाइंट, टॉल प्लाजा और नाकों पर लग्जरी वाहनों की सघन तलाशी लेने और बिना तलाशी के किसी भी वाहन को प्रवेश करने की इजाजत नहीं देने की सलाह पुलिस मुख्यालय को दी है।

10 साल के बाद जन्मा बेटा, हत्यारे बाप ने गला दबाकर मार डाला

पटना। दस साल के बाद पत्नी ने मायके में एक फूल से बेटे को जन्म दिया और उसे देखने पहुंचे पति ने बच्चे को गोद में लिया और प्यार करने लगा। जैसे ही पत्नी पति के लिए नाश्ता लाने गई कि उस क्रूर पिता ने नवजात की गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया। गोपालगंज जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है। जिले के थावे थाना क्षेत्र के चनावे गांव में बच्चे को देखने युवक ससुराल पहुंचा और शादी के 10 साल बाद पैदा हुए 8 दिन के बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी। बच्चे की हत्या के बाद हत्यारा बाप बच्चे को बिस्तर पर रख कर फरार हो गया।

नीली-पीली नहरों वाले ये है दुनिया के सबसे खुबसूरत ब्रिज

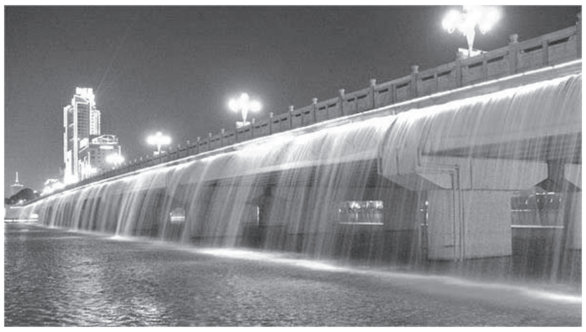

हर शहर में नदी या सड़क को पार करने के लिए ब्रिज तो हर शहर में होते है लेकिन आज हम आपको दुनिया के सबसे खुबसूरत ब्रिजों के बारे में बताने जा रहें है। दुनिया के ये वर्ल्ड फेमस ब्रिज नीली पीली नहरों के उपर बने है। इन खुबसूरत ब्रिज के उपर से नहरों का फ्लों देख कर आप भी हैरान रह जाएंगे। आइए जानते है इन खुबसूरत ब्रिज के बारे में।

1. ताइवान, मून ब्रिज
ताइपेई पार्क में बनाएं गए इस पुल को आधे चंद्रमा की तरह बनाया गया। पानी में पड़ रहें प्रतिबिंब से मिलकर यह पुल पूरे चाद की तरह नजर आता है।

2. निदरलैंड, रोड ब्रग
पानी के बीच में बने इस ब्रिज की बनावट एंगल पुल की तरह है।

3. मलेशिया, लैंगकावी स्काई ब्रिज
इस टेढ़े-मेढ़े ब्रिज के उपर से पूरा केद एरिया दिखाई देता है। यहां से आप शांत समुद्र की खुबसूरती को देख सकते है।

4. सिंगापुर, हेलिक्स ब्रिज
इस ब्रिज को देख कर आप भी हैरान हो जाएंगे। नीली लाइटों से बनी इस ब्रिज की छत बहुत ही शानदार है।

5. अमेरिका, गोल्डन गेट ब्रिज
इस ब्रिज के उपर से शाम का नजारा देखने वाला होता है। रात के समय तो यह ब्रिज उपर तक धुंध से ढक जाता है।

6. हॉलैंड, पॉयथन ब्रिज
स्पोर्नबर्ग और बोर्नियो को जोड़ने वाला यह फुटब्रिज सड़क पार करने से ज्यादा हैरान करता है।

7. दक्षिण कोरिया, सियोल बनेपो पुल
पुल के किनारे बने फ्वारों पर पड़ती रंग-बिरंगी लाइट आपको दुनिया का हर पुल भुला देगी। इस खुबसूरत पुल को म्यूजिकल ब्रिज भी कहा जाता है।

अनोखा मेला, जिसमें लड़का मनपसंद लड़की को भागकर करता है शादी

जमाना चाहे जितना मर्जी बदल गया हो लेकिन आज भी घर से भागकर शादी करना बुरा समझा जाता है। भारतीय समाज में भागकर शादी करने वालों को घर से निकाल दिया जाता है और उनसे सारे रिश्ते तोड़ दिए जाते हैं लेकिन हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा शहर है जहां लड़के-लड़कियां भागकर शादी कर सकते हैं।

हिमाचल के लाहौल शहर केलौंग नाम की एक कबीलाई जगह है जहां हर साल 15 अगस्त को एक मेला लगता है जो 2 दिनों तक चलता है। इस मेले में जो लड़के किसी लड़की को पसंद करते हैं वे इस मेले में घरवालों से चुपके अपनी मनपसंद लड़की को भगा कर ले जाते हैं और बाद में घरवालों के सामने आ जाते हैं जिससे परिवारवालों को उनकी शादी की मंजूरी देनी ही पड़ती है।

यह परंपरा काफी समय से चलती आ रही है और कबीलाई समाज के कई लोग भागकर शादी कर चुके हैं। इस मेले में अगर कोई लड़का-लड़की भागते हुए पकड़ा जाए तो मेले की भीड़ लड़के को खूब पीटती है और शादी से इंकार हो जाता है। मेले की ऐसी परंपरा का सिर्फ यही कारण है कि ऐसा करने से शादी पर होने वाला खर्चा बच जाता है।

जब हाथी ने खाने के लिए पिकअप रोककर तोड़ दी छत

जी हां इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो थाईलैंड के एक भूखे हाथी का है। इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक हाथी को भूख लगी है और सड़क पर चलता जा रहा है। तभी सामने से एक पकिअप ट्रक सड़क पर आता दिखता है तो हाथी को एक उम्मीद दिखाई देतीहै। उसे शायद यही लगता है कि अब उसकी भूख मिट सकती है। ऐसे में वह हाथी उस पिकअप ट्रक को रोक देता है और फिर उसके समीप जाता है।

सूंड से ट्रक चेक करता
यहां पर भूखा हाथी सबसे पहले अपनी सूंड से उस ट्रक को चेक करता है। इसके बाद देखते ही देखते वह उस पिकअप ट्रक की छत को तोड़ देता है। फिर उसमे रखा सामान खाने लगता है। ऐसे में हाथी के इस अनोखे कारनामे का वीडियो वहां सड़क पर पीछे की गाड़ी में बैठे एक शख्स ने बना लिया। हाथी का ट्रक की छत तोड़ने वाला ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। अब तक बड़ी संख्या में लोग इस वीडियो को देख चुके हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान महसूस होगी। विरोधी नतमस्तक होंगे।

सिंह
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

धनु
तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। राजकीय बाधा दूर होगी। आवश्यक व्यय रहेगा।

वृष
बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

कन्या
फालतू खर्च होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। धनहानि संभव है।

मकर
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं, धैर्य रखें।

मिथुन
प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। मेहनत का फल मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्ययवृद्धि होगी। कानूनी अड़चन दूर होगी।

तुला
रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति के नए स्रोत प्राप्त होंगे। माता-पिता से मधुर व्यवहार होगा।

कुंभ
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क
उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। बिछड़े मित्रों से मुलाकात होगी। प्रसन्नता रहेगी। वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक
कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। जोखिम न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा। महत्वाकांक्षा में वृद्धि होगी।

मीन
संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। जोखिम न लें। साहस में वृद्धि होगी।

ऑफ सीजन में भी लें इन वाटरफॉल्स का भरपूर मजा

दुनिया के बहुत से वाटरफॉल्स अपनी खुबसूरती और अलग-अलग खासियत के लिए मशहूर है। ऑफ सीजन घूमने के लिए लोग ऐसी ही जगहों की तलाश में रहते है, जहां वो अपने वीकेंड में पूरी इंजॉय कर सके। ऑफ सीजन कुदरती नजारों का मजा लेने के लिए आज हम आपको ऐसे ही कुछ वाटरफॉल्स के बारे में बताने जा रहें है। आइए जानते है इन खुबसूरत झरनों के बारे में, जो दुनियाभर में मशहूर है।

1. आइसलैंड, स्कॉगाफॉस
इस झरने में खड़े होकर आपको इंद्रधनुष के बीच खड़े होने का अहसास होता है। वाटरफॉल के आस-पास का इलाका ऊंचे पहाड़ और हरे-भरे जंगल से घिरा है।

2. लैंगफॉस फॉल
पहाड़ी से नदी के बीच में मिलती हुआ यह झरना बहुत खुबसूरत लगता है। इसके किनारे बनी सड़क में खड़े होकर आप झरने के गिरते पानी की आवाज को सुन सकते है।

3. गुआॅफॉस वाटरफॉल
12 मीटर की ऊंचाई से गिरते नीले-हरे इस झरने को 'वाटर फॉल ऑफ गॉड' भी कहा जाता है। यहां की खुबसूरती देख कर आप हैरान हो जाएंगे।

4. न्यूयॉर्क, टघुन्नॉक फॉल्स

खूबसूरती की एक अनोखी मिसाल यह झरना रंग-बिरंगे फूलों से से घिरा हुआ है। इसकी खुबसूरती देखने के लिए आपको 3-4 मील पैदल चलना पड़ेगा।

5. अफ्रीका, विक्टोरिया फॉल
साउथ अफ्रीका की जांबेजी रिवर पर स्थित इस झरने में आप बॉथिंग का मजा ले सकते है। इस झरने का पानी इतनी तेजी से गिरता है कि आप दूर खड़े होकर भी बारिश का एहसास कर सकते है।

6. अरिजोना ग्रैंड कैन्यॉन, द हवासु फॉल्स
अमेरिका के खूबसूरत वाटरफॉल्स की लिस्ट में शामिल यह झरना रेड चट्टाने और हरियाली के बीच से गिरता हुआ बहुत ही सुंदर लगता है।

चेहरे पर मौजूद एक्सट्रा ऑयल को ग्लिसरीन से करें कम

आजकल धूल मिट्टी और पोल्यूशन के कारण त्वचा में ऑयलीपन आ जाता है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह के तरीके इस्तेमाल करते है लेकिन किसी भी आपको कोई फायदा नहीं होता है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप ग्लिसरीन की मदद से चेहरे में आए ऑयल को कम कर सकते है। इस आपकी स्किन को किसी भी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और स्किन से ऑयली भी गायब हो जाएगा।

1. फेस पैक
ग्लिसरीन को आप किसी भी फेस पैक में मिला कर चेहरे पर लगा सकती है। हफ्ते में कम से कम दो बार इसका इस्तेमाल करने से आपको ऑयली स्किन से छुटकारा मिल जाएगा ऐर इससे चेहरे पर निखार भी आएगा।

2. नॉन-टॉक्सिक नेचर
नॉन-टॉक्सिक पदार्थ होने के कारण इसे आप फेस क्रीम, लोशन और बॉडी स्क्रब में मिला कर भी लगा सकते है। इसके अलावा इसे लगाने से आपके दाग-धब्बे, मुंहासे, खुजली, एलर्जी और ऑयली स्किन की समस्यां दूर हो जाएगी।

3. नमी देना
स्किन के बाहरी हिस्से में तेल होने के कारण चेहरे में नमी अंदर नहीं जा पाती इससे त्वचा रुखी और बेजान हो जाती है। ग्लिसरीन स्किन पर मॉइस्चराइजर की तरह काम करके नमी बरकरार रखता है।

4. पोषण तत्व
इसमें पाया जाने वाला ह्यूमिक्टेंट त्वचा में पानी की कमी नहीं होने देता। इसके अलावा इसमें मौजूद हाईड्रोस्कोपिक त्वचा को पोषण तत्व प्रदान करते है, जिससे त्वचा का ऑयलीपन गायब हो जाता है।

सोने से पहले तलवों की करें मालिश, मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

चेहरे की देखभाल तो सभी कर लेते है लेकिन पैरों की तरफ ध्यान देना अक्सर भूल जाते है। जिन पर हम लोग सारा दिन खड़े रहते है उनकी अच्छे से देखभाल होना भी जरूरी है। इसके अलावा हमारे पैरों के विभिन्न प्वाइंट अलग-अलग अंगों से जुड़े होते है। अगर इन प्वाइंट की रात को मालिश की जाए तो यह शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ पहुंचा सकते है। हम आपको बताएंगे कि रात को पैरों की मालिश करने से कौन-कौन से फायदे मिलते है।

- मेटाबॉलिज्म
अगर सोने से पहले पैरों के तलवे पर अच्छे से 10-15 मिनट मालिश की जाए तो शरीर का मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है।

- वजन कम
बढ़ते वजन की समस्या आज हर व्यक्ति को परेशान कर रही है। अगर रात को पैरों की तलवों को मालिश की जाए तो इससे वजन के साथ-साथ शरीर में मौजूद वसा भी कम होती है।

- तनाव और थकावट
दिनभर काम के बोझ के चलते स्ट्रेस और तनाव जैसी समस्या घेरे रहती है। इससे बचने के लिए पैरों के तलवों की मालिश करें। इससे शरीर रिलेक्स महसूस करेगा और अच्छी नींद आएगी।

- रक्तचाप नियंत्रित
हाई ब्लड प्रैशन के मरीजों के लिए यह प्रक्रिया काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। बस रोज रात को सोने से पहले नारियल या बादाम के तेल से तलवों की मालिश करे।

- सेक्स लाइफ में सहायक
यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य के साथ-साथ आपकी सेक्स लाइफ को भी बेहतर बना देगी।

शरीर में आयरन की कमी होने पर दिखाई देते हैं ये संकेत

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। ऐसे में जब शरीर में किसी एक तत्व की भी कमी हो जाए तो सेहत पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे ही जब शरीर में हर समय थकावट और सांस लेने में मुश्किल हो तो समझ लें कि शरीर में आयरन की कमी हो गई है। आयरन की कमी की वजह से शरीर में एनीमिया की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं का सही तरीके से उत्पादन नहीं हो पाता और खून की कमी हो जाती है। आयरन की कमी की समस्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है। आइए जानिए शरीर में दिखने वाले कुछ संकेत जिससे आप पता लगा सकते हैं कि शरीर में आयरन की कमी हो गई है।

थकान
शरीर में आयरन की कमी से हीमोग्लोबिन भी कम हो जाता है। रक्त में पाया जाने वाला हीमोग्लोबिन जो हमारे शरीर के सभी हिस्सों तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। इसकी कमी की वजह से शरीर सही तरीके से काम नहीं कर पाता और हर समय थका महसूस करता है। ऐसे में आयरन की कमी का सबसे बड़ा संकेत शरीर में होने वाली थकावट है।

काम पर फोकस न करना
आयरन की कमी होने से दिमाग पर भी असर पड़ता है जिससे व्यक्ति काम पर सही तरह से फोकस नहीं कर पाता।

सांस लेने में तकलीफ
सीढ़ियां चढ़ने या ज्यादा काम करने की वजह से सांस लेने में तकलीफ होने लगती है लेकिन जब बैठे-बैठे भी सांस फूलने लगे तो समझ लें कि शरीर में आयरन की कमी है।

मांसपेशियों में दर्द
शरीर में आयरन की कमी की वजह से मांसपेशियों में दर्द होने लगता है। ऐसे में अगर कभी शरीर पर चोट लग जाए तो उसे ठीक होने में काफी समय लग जाता है।

बंद नाक से हैं परेशान तो अपनाएं ये टिप्स

नाक का बंद होना आम परेशानी है। कुछ लोगों को सुबह तो कुछ लोगों के मिट्टी से एलर्जी होने के कारण यह समस्या झेलनी पड़ती है। नाक के अंदर झिल्ली में सूजन आ जाने के कारण यह दिक्कत आती है। सही समय पर बार-बार नाक बंद होने की तरफ ध्यान न दिया जाए को यब परेशानी और भी बढ़ सकती है। ऐसा होने के कई कारण हो सकते हैं। हार्मोस में बदलाव, डस्ट माइट यानि नाक में मिट्टी के छोटे-छोटे कणों का प्रवेश कर जाना, धुआ, परफ्यूम की खुशबू, पालतू जानवरों के बाल, मौसम में बदलाव आदि। जिन लोगों को नाक बंद होने की शिकायत होती है, उन्हें छींके आना, सिर का भारीपन, नाक में से पानी बहने जैसी मुश्किले भी झेलनी पड़ सकती है।

बंद नाक खोलने के घरेलु उपचार

भाप
नाक बंद होने पर भाप लेना सबसे अच्छा तरीका है। एक बर्तन में पानी गर्म करके उसमें थोड़ी सी अजवाइन डाल लें। इस पानी से भाप ले और सिर को तौलिए से ढक दें। अजवाइन की जगह पर पुदीने के पत्ते भी डाल सकते हैं।

सरसों का तेल
बंद नाक को खोलने के लिए उंगुली पर सरसों का तेल लगाकर सूघने से नाक तुरंत खुल जाएगी।

अजवाइन
अजवाइन को तवे पर गर्म करके भून लें और इसे पोटली में बांधकर सूघने से बंद नाक खुल जाती है।

बादाम
शरीर में कमजोरी के कारण भी बार-बार नाक बंद हो सकती है। इसके लिए 100 ग्राम बादाम, 20 ग्राम काली मिर्च और 50 ग्राम शक्कर को मिलाकर पीस लें। इस पाउडर का 1 चम्मच रात को सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ खाएं। लगातार इसका सेवन करने से छींके, बंद नाक और नाक बहने की परेशानी दूर हो जाती है।

हल्दी और लहसून
1 कप पानी में लहसून की 1 कली और 1 चुटकी हल्दी डालकर गर्म कर लें। इस पानी को छानकर चुस्की लेते हुए पीएं। इससे बंद नाक खुल जाती है।

कोलकाता वनडे पर भी बारिश का साया

टीम इंडिया का प्रैक्टिस सेशन रद्द

कोलकाता। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने वाले दूसरे वनडे मैच में बारिश का खतरा मंडरा रहा है। कोलकाता में सोमवार से ही बारिश हो रही है, जिसके कारण सही समय से पिच को मैच के लिए तैयार करना थोड़ा मुश्किल नजर आ रहा है। बारिश के कारण मंगलवार को भारतीय टीम का प्रैक्टिस सेशन टाल दिया गया है, वहीं प्रेस वार्ता को भी रद्द कर दिया गया है। सोमवार को बारिश के कारण पिच को ढक कर रखा गया था और मंगलवार को भी पिच इसी तरह ढकी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में बारिश होने की आशंका है। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में मैच के लिए बारिश से बचने की तैयारियों पर नजर रखी जा रही है, क्योंकि अक्टूबर 2015 में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी-20 मैच बारिश के कारण ही शुरू भी नहीं हो पाया था और उसे रद्द करना पड़ा था।

गांगुली ने लिया जायजा : बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को स्टेडियम के कर्मचारियों की ओर से किए जा रहे काम का जायजा लिया। कुछ दिनों पहले ही गांगुली ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा था कि बारिश के कारण गुरुवार को होने वाले दूसरे वनडे मैच पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है, जिसमें भारतीय टीम ने चेन्नई में खेले गए पहले वनडे मैच में जीत हासिल कर आस्ट्रेलिया पर 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला वनडे भी बारिश से प्रभावित रहा था, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए लक्ष्य को घटाकर 21 ओवर में 164 रन कर दिया गया था। भारत ने 50 ओवर में 281 रनों का लक्ष्य रखा था।

टीम इंडिया के साउथ अफ्रीका दौरे की शुरूआत पांच या छह जनवरी से

जोहानिसबर्ग। भारतीय क्रिकेट टीम नए साल की शुरूआत दक्षिण अफ्रीका दौरे के साथ करेगी, जिसका पहला मैच पांच या छह जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड-क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) और बीसीसीआई-अगले कुछ दिनों में मैचों की तारीखों को तय करेंगे। साल की शुरूआत से चर्चा के बावजूद सीएसए और बीसीसीआई अब तक कार्यक्रम को अंतिम रूप नहीं दे पाए हैं। आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम के तहत दौरे पर चार टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले जाने हैं। बीसीसीआई ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय टीम इस साल के अंतिम हफ्ते से पहले दक्षिण अफ्रीका नहीं पहुंच पाएगी क्योंकि श्रीलंका के खिलाफ उसकी घरेलू सीरीज 24 दिसंबर को खत्म होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले उसके खिलाड़ियों को छोटा ब्रेक मिले। साथ ही बीसीसीआई ने बड़ी सीरीज से पहले टीम के लिए तैयारी के समय पर भी जोर दिया है और कम से कम एक अभ्यास मैच खेलने का आग्रह किया है। पारंपरिक तौर पर न्यूलैंड्स में नए साल का टेस्ट दो जनवरी से शुरू होता है। सीएसए पहला टेस्ट चार जनवरी से कराना चाहता है, जिससे कि मैच के टिकटों से अधिकतम कमाई की जा सके, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका में आम तौर पर छुट्टियों के हफ्ते के दौरान मैच के सभी टिकट बिक जाते हैं। बातचीत से जुड़े एक अधिकारी के हवाले से खबर में कहा गया, भारतीय टीम के अब दिसंबर के अंतिम कुछ दिनों में आने की उम्मीद है और पहले टेस्ट से पूर्व निश्चित तौर पर एक अभ्यास मैच खेलेगी। सीएसए और बीसीसीआई के बीच चर्चा जटिल हो गई थी, क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड इससे खुश नहीं था कि दक्षिण अफ्रीका बोर्ड ने ऑस्ट्रेलियाई सीरीज का कार्यक्रम पहले ही तय कर लिया और यह सीरीज एक मार्च से शुरू होगी।

श्रीसंत से बैन हटाने के आदेश के खिलाफ हाइकोर्ट में बीसीसीआई

कोच्चि। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेटर एस श्रीसंत पर 2013 आईपीएल स्पाट फिक्सिंग के चलते लगाये गये आजीवन बैन को हटाने के एकल पीठ के आदेश के खिलाफ केरल उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। बीसीसीआई ने अपनी अपील में कहा है कि इस क्रिकेटर पर बैन लगाने का फैसला उनके खिलाफ मिले सबूतों के आधार पर किया गया। एकल पीठ जज ने सात अगस्त को बीसीसीआई द्वारा लगाया गया बैन हटा दिया था। बीसीसीआई ने हालांकि इस आदेश के बावजूद अपना अनुशासनात्मक फैसला नहीं बदला था।

आईपीएल टीम के मुख्य कोच बनना चाहते हैं शेन बॉन्ड

नई दिल्ली। पिछले सत्र में मुंबई इंडियन्स के गेंदबाजी कोच रहे न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की निगाह आईपीएल में किसी टीम का मुख्य कोच बनने पर लगी है। बॉन्ड अभी न्यूजीलैंड ए टीम के कोच हैं जो भारत दौरे पर आएगी। डॉमिनियन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बॉन्ड ने कहा, मेरी नजर मुख्य कोच बनने पर है, लेकिन देखना होगा की यह कैसे संभव होता है। मुझे ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग की टीम) और आईपीएल (मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस) के साथ काम करने का मौका मिला और मैंने उसका लुत्फ उठाया। मेरे बच्चे अभी उम्र के उस दौर में है जहां मैं उनके साथ समय बिताना चाहता हूं, इसलिये जो भी मौका मिलेगा उसे देखना होगा कि क्या वह मुझ से जुड़े लोगों (परिवार) के लिहाज से क्या सही है। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कोच रह चुके बॉन्ड ने कहा, मैं मुख्य कोच के तौर पर आईपीएल की किसी टीम के साथ जुड़ना चाहूंगा। मुझे न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम से प्यार है और मैं उनसे एक बार फिर जुड़ना चाहूंगा, हालांकि मुझे नहीं पता कि यह कब संभव होगा। खबर के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज सीरीज के पहले तीन टेस्ट मैचों के लिये बॉन्ड का इंग्लैंड का गेंदबाजी कोच बनना तय है लेकिन आधिकारिक पुष्टि होने से पहले वह इस मुद्दे पर बात नहीं करना चाहते हैं।

स्टीव स्मिथ कप्तान के रूप में चुनौती भरे दौर से गुजर रहे हैं : माइकल क्लार्क

कोलकाता। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि स्टीव स्मिथ कप्तान के रूप में इस समय चुनौती भरे दौर से गुजर रहे हैं। उनके सामने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में आस्ट्रेलियाई टीम को वापसी के लिए प्रेरित करने की कठिन चुनौती है। क्लार्क ने कहा, लंबे समय से स्मिथ की बल्लेबाजी बेहतरीन रही है लेकिन अब उनकी कप्तानी चुनौतीपूर्ण हो गई है। उन्हें टीम के लिए कामयाबी का रास्ता तैयार करना होगा। बांग्लादेश में दो टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराने के बाद भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में स्मिथ की कप्तानी की कड़ी परीक्षा हो रही है। चेन्नई का पहला वनडे हारने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पांच मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ रही है। ईडन गार्डन्स पर 21 सितंबर को होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच के संदर्भ में क्लार्क ने कहा, समय आ गया है कि ऑस्ट्रेलिया वापसी करे। मुझे लगता है कि यह मैच तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी। क्लार्क ने 1948 में भारत के पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान महान बल्लेबाज डान ब्रैडमैन द्वारा इस्तेमाल बल्ले को फनेटिक स्पोर्ट्स म्यूजियम को सौंपा। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने क्लार्क ने भारत के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव की तारीफ की। कुलदीप के बारे में क्लार्क ने कहा वह आक्रमण करने वाला गेंदबाज है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

श्रद्धा कपूर कपूर के खिलाफ फाइल हुआ केस

बॉलीवुड एक्ट्रैस श्रद्धा कपूर मुश्किलों में पड़ गई है। कपड़ा उत्पादक एक फर्म ने श्रद्धा और फिल्म के प्रोड्यूसर पर धोखाधड़ी और भरोसा तोड़ने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि एक समझौते के उल्लंघन के खिलाफ फिल्म के प्रचार गतिविधियों के दौरान फैशन लेबल 'एजेटीएम' का प्रचार न करने के लिए श्रद्धा कपूर के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। बता दें कि फिल्म के प्रमोशन के दौरान श्रद्धा को एक समझौते के तहत पहने गए परिधानों में फैशन लेबल लगाना था जिससे उस ब्रांड का प्रमोशन हो सके जबकि श्रद्धा कपूर ने ऐसा नहीं किया। कंपनी ने इसे समझौते का उल्लंघन मानते हुए श्रद्धा और फिल्म के प्रड्यूसर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कंपनी के वकील रिजवान सिद्दकी ने कहा, फिल्म के लिए अभिनेत्री को परिधान मुहैया करवाने वाली 'एम ऐंड एम' डिजाइन्स फर्म ने मुंबई की अदालत में निजी शिकायत दर्ज करवाई है। मामले पर सुनवाई 26 अक्तूबर को होगी। फिल्म 22 सितंबर को रिलीज होगी है।

37 साल की करीना ने घटाया 14 किलो वजन

करीना कपूर 37 साल की होने जा रही हैं। पिछले साल वह मां बनी और बेटे तैमूर को जन्म दिया। 21 सितंबर 1980 को मुंबई, महाराष्ट्र में जन्मी करीना अपनी फिटनेस को लेकर सजग रहती हैं। यही वजह है कि (20 दिसंबर 2016) को बेटे तैमूर के जन्म के 45 दिन बाद ही उन्होंने अपने बढ़े हुए वजन को कम करना शुरू कर दिया था। बता दें कि करीना फिटनेस ट्रेनर नम्रता पुरोहित के स्टूडियो में एक्सरसाइज करती हैं। फिटनेस ट्रेनर नम्रता ने बताया, डिलिवरी के 45 दिन बाद यानी फरवरी 2015 में करीना मेरे पास आईं तो खुद को सुस्त महसूस कर रही थीं। लेकिन वे अपनी फिल्म (वीरे दी वेडिंग) की शूटिंग शुरू करना चाहती थीं, जिसके लिए उन्हें एनर्जेटिक होना जरूरी था। उन्होंने मुझसे कहा कि वे जैसी पहले थीं, वैसी ही फिट होना चाहती हैं। नम्रता कहती हैं कि फिल्म की शूटिंग के लिए करीना ने वेट लॉस का टारगेट तय किया था, जो लगभग पूरा हो गया है। स्टूडियो ज्वॉइन करने से लेकर अब तक करीना ने 14 किलो वजन कम कर लिया है। वे अपने लक्ष्य के बहुत नजदीक हैं।

लोगों ने की सनी लियोन के होर्डिंग को हटाने की मांग

बॉलीवुड एक्ट्रैस सनी लियोन का विवादों से पुराना रिश्ता है। किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती है। अब उन पर कल्चरल वैल्यूज को संक्रमित करने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार से शिकायत की गई है। दरअसल, गुजरात में कुछ जगह मैनफोर्स की ओर से सनी लियोन की फोटो लगाकर नवरात्रि की शुभकामना संदेश वाले होर्डिंग्स लगाए गए हैं। कुछ संगठनों ने तत्काल सनी लियोन की फोटो वाली होर्डिंग्स को हटाने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को शिकायती चिट्ठी भी लिखी गई है। कॉन्फिडिरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स ने केंद्रीय मंत्री पासवान को लिखे शिकायती पत्र में कहा, 'त्यौहार के मौके पर गुजरात के ज्यादातर शहरों में मैनफोर्स के बैनर सांस्कृतिक मूल्यों के खिलाफ हैं। ये युवाओं को मैनफोर्स कॉन्डम इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। सड़कों पर सनी लियोन के ऐसे विज्ञापन लगाना मार्केटिंग की बेहूदा स्ट्रैटजी है।' हालांकि सम्बंधित होर्डिंग्स में 'कॉन्डम' शब्द का इस्तेमाल नहीं है। लेकिन उसमें मैनफोर्स लोगो साथ 'प्ले, लव और नवरात्रि' शब्द लिखे हुए हैं। शिकायत में मैनफोर्स कंपनी पर त्यौहार की आड़ में प्रोडक्ट की बिक्री बढ़ाने की कोशिश का आरोप लगाया गया है। सनी लियोन को गैर-जिम्मेदाराना करार दिया है। उनके खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की गई है।

फिल्म 'बागी २' के लिए टाइगर श्रॉफ ने मुंडवांया अपना सिर!

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'बागी 2' की शूटिंग कर रहे हैं। सोर्स की मानें तो अहमद खान के डायरैक्शन में बन रही इस फिल्म के लिए टाइगर ने अपने बाल मुंडवा दिए हैं। फैन्स के लिए टाइगर को बाल्ड लुक में देखना काफी इंटरेस्टिंग होगा। कुछ दिनों पहले ही टाइगर रेमो डिसूजा के शो 'डांस प्लस 3' में नजर आए थे, लेकिन इस दौरान इन्होंने कैप पहन रखी थी। बता दें कि सिर्फ टाइगर ही नहीं, बल्कि फिल्म 'हैदर' के लिए शाहिद कपूर, 'सुल्तान' के लिए सलमान खान और 'बाजीराव मस्तानी' के लिए रणवीर सिंह भी बाल्ड लुक अपना चुके हैं। गौरतलब है कि 'बागी 2' साल 2016 में आई फिल्म 'बागी' का ही सीक्वल है। इस सीक्वल में टाइगर के अपोजिट उनकी 'गर्लफ्रैंड' दिशा पटानी नजर आएंगी।